Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर, दुर्ग एवं जगदलपुर से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011
संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 01, अंक 21 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | जगदलपुर, शनिवार 28 मार्च 2026 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

नहीं बदले हैं गैस रिफिल बुकिंग के नियम, घबराने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग समय-सीमा (रिफिल टाइमलाइन) में बदलाव को लेकर चल रही खबरों और सोशल मीडिया पोस्ट पर सरकार ने बड़ा स्पष्टीकरण जारी किया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने साफ कहा है कि एलपीजी रिफिल बुकिंग के नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और पुरानी व्यवस्था ही लागू है। मंत्रालय ने बताया कि कुछ समाचार रिपोर्टों और सोशल मीडिया पोस्टों में यह दावा किया जा रहा था कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत एलपीजी रिफिल बुकिंग के लिए 45 दिन, नॉन-पीएमयूवाई सिंगल सिलेंडर के लिए 25 दिन और डबल सिलेंडर के लिए 35 दिन की नई समय-सीमा तय की गई है। सरकार ने इन दावों को पूरी तरह गलत और भ्रामक बताया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि मौजूदा नियमों के तहत एलपीजी रिफिल बुकिंग की समय-सीमा शहरी क्षेत्रों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन ही है, और यह सभी प्रकार के कनेक्शन पर समान रूप से लागू होती है।

हरियाणा में 160 करोड़ के एफडी घोटाला मामले में एक्शन

चंडीगढ़। हरियाणा में कोटक महिंद्रा बैंक में 160 करोड़ रुपये के फिक्स्ड डिपॉजिट घोटाले का खुलासा होने के बाद राज्य सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस मामले में बैंक के पूर्व रिलेशनशिप मैनेजर दिलीप कुमार राघव को गिरफ्तार कर लिया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, दिलीप कुमार राघव पर आरोप है कि उन्होंने मुख्य आरोपी के साथ मिलकर नगर निगम पंचकूला को स्त्रष्ठ से संबंधित गलत रिपोर्ट भेजी। आरोप है कि निगम ने बैंक को स्त्रष्ठ के रूप में जो राशि सौंपी, उसे बैंक कर्मचारी मिलकर फर्जी खातों में ट्रांसफर कर रहे थे। निगम को भरोसा दिलाने के लिए बैंक अधिकारी लगातार फर्जी स्टेटमेंट और कागजी रिकॉर्ड दिखाते रहे। घोटाले का खुलासा तब हुआ जब नगर निगम ने अपनी 58 करोड़ रुपये की स्त्रष्ठ की मैच्योरिटी पर मुख्य खाते में राशि ट्रांसफर करने का निर्देश दिया।

विवेक अग्निहोत्री और भूषण कुमार मिलकर बनाएंगे ऑपरेशन सिंदूर

मुंबई। फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री और भूषण कुमार ने नए प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है। दरअसल, दोनों मिलकर टेरर अटैक-बेस्ड फिल्म ऑपरेशन सिंदूर लेकर आ रहे हैं। दोनों की यह फिल्म लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब से प्रेरित है। विवेक अग्निहोत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर इस बात की पुष्टि करते हुए लंबा-चौड़ा नोट पोस्ट करते हुए बताया कि उनकी यह फिल्म ऑपरेशन सिंदूर लेफ्टिनेंट जनरल के.जे.एस. टाइनी ढिल्लों की किताब ऑपरेशन सिंदूर- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज डीप स्ट्राइक्स इनसाइड पाकिस्तान पर आधारित है ।

पीएम मोदी की मुख्यमंत्रियों के साथ बड़ी बैठक

संकट के समय केंद्र और राज्यों को एक होकर काम करना होगा

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम एशिया में गहराते युद्ध और स्ट्रेट ऑफहोर्मुज के बंद होने के बढ़ते खतरे के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ एक उच्च स्तरीय वर्चुअल बैठक की है। इस आपातकालीन बैठक का मुख्य उद्देश्य वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद भारत के भीतर तेल, गैस और अन्य आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थितियां भले ही चुनौतीपूर्ण हों, लेकिन घरेलू स्तर पर आम नागरिक को किसी भी तरह की किल्लत का सामना नहीं करना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्रियों को आगाह किया कि मिडिल ईस्ट का यह संकट लंबी मुसीबतें खड़ी कर सकता है, जिससे निपटने के लिए केंद्र सरकार हर संभव कूटनीतिक और रणनीतिक कदम उठा रही है। हालांकि, इन योजनाओं की जमीनी सफलता पूरी तरह राज्यों के समन्वय पर टिकी है। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों से अपील की है कि वे अपने राज्यों में ऐसी सुदृढ़ व्यवस्था कायम करें जिससे जमाखोरी और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में कृत्रिम बढ़ोतरी पर लगाम कसी जा सके। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि राष्ट्रीय संकट के समय केंद्र और राज्यों को एक परिवार की तरह एकजुट होकर काम करना होगा ताकि देश की अर्थव्यवस्था और जनजीवन पर वैश्विक संकट की आंच न आए। इससे पहले सरकार ने नागरिकों को आश्वस्त किया था कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बावजूद कोई तात्कालिक खतरा नहीं है। सरकार ने बताया कि देश के पास 60 दिनों का ईंधन उपलब्ध है। लोगों से ईंधन की कमी से जुड़ी अटकलों पर ध्यान न देने की अपील की गई। सरकार ने पुष्टि की कि देश की ऊर्जा आपूर्ति स्थिर और अच्छी तरह प्रबंधित है और मौजूदा मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, कच्चे तेल की आपूर्ति अगले लगभग दो महीने के लिए पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल बाजार कंपनियों ने पहले से ही आयात की व्यवस्था कर ली है, जिससे आपूर्ति में निरंतरता बनी रहे। होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधाओं के बावजूद भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल खरीद रहा है, जिससे किसी एक मार्ग या क्षेत्र पर निर्भरता कम हो जाती है। युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल का सीधा असर माल ढुलाई और अंततः खाने-पीने की चीजों के दाम पर पड़ता है। प्रधानमंत्री ने राज्यों से आग्रह किया है कि वे अपनी कर संरचना और स्थानीय रसद को इस तरह प्रबंधित करें कि आम आदमी पर महंगाई का बोझ कम से कम पड़े। केंद्र ने हाल ही में एक्साइज ड्यूटी में कटौती कर एक बड़ा कदम उठाया है और अब राज्यों से भी इसी तरह की 'नागरिक-केंद्रित' पहल करने की उम्मीद की जा रही है। वर्चुअल मीटिंग के दौरान प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर फैल रही लॉकडाउन और ईंधन की कमी जैसी अफवाहों पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने मुख्यमंत्रियों से कहा है कि वे अपने-अपने राज्यों में पुलिस और प्रशासन को अलर्ट रखें ताकि गलत सूचनाओं के कारण समाज में अस्थिरता न फैले। 'टीम इंडिया' के इस मिशन का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि बाहरी युद्ध का असर भारत की आंतरिक शांति और विकास की रफ्तार पर न पड़े।

ईंधन और जरूरी वस्तुओं की किल्लत को रोकना पहली प्राथमिकता

बैठक का सबसे महत्वपूर्ण एजेंडा देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना है। हॉर्मुज में तनाव के कारण वैश्विक सप्लाई चेन बाधित हुई है, जिससे आने वाले समय में ईंधन की कमी की आशंका जताई जा रही है। प्रधानमंत्री मुख्यमंत्रियों को निर्देश दे रहे हैं कि राज्यों में आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्त लगाम लगाई जाए। सरकार ने साफकिया है कि भारत के पास पर्याप्त तेल भंडार (करीब 60 दिनों का स्टॉक) मौजूद है, इसलिए जनता को घबराने या 'पैनिक बाइंग' करने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने बीते सोमवार को लोकसभा में कहा था कि पश्चिम एशिया में संघर्ष से पैदा हुए अप्रत्याशित संकट का प्रभाव लंबे समय तक रहने वाला है, जिससे निपटने के लिए सरकार पूरी तरह तत्पर है। नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और इसके कारण भारत के सामने आई चुनौतियों पर बयान देते हुए यह भी कहा कि इस संकट का सामना देशवासियों को कोरोना संकट की तरह ही करना होगा।

बिहार की सियासत में बड़े उलटफेर की आहट!

सूत्रों के मुताबिक 30 मार्च को इस्तीफा देंगे नीतीश कुमार......

नई दिल्ली/ एजेंसी

बिहार की राजनीति में एक बड़ा बदलाव होने की अटकलें तेज हो गई हैं। सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 30 मार्च को बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे सकते हैं। बताया जा रहा है कि 29 मार्च तक विधानसभा और विधान परिषद की कार्यवाही अवकाश पर है, जिसके बाद 30 मार्च सोमवार को वे अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार नालंदा के बिहारशरीफ स्थित सर्किट हाउस पहुंचे और मीडिया से बातचीत में कहा कि 9 अप्रैल तक का समय है, उसके बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। उन्होंने यह भी कहा कि नए मुख्यमंत्री के नाम पर अंतिम फैसला एनडीए की बैठक में लिया जाएगा और नीतीश कुमार की इच्छा के अनुसार ही अगला मुख्यमंत्री चुना जाएगा। हालांकि अब तक इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है और राजनीतिक हलकों में इसे लेकर केवल अटकलें ही लगाई जा रही हैं। सीएम नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद राज्यसभा जा रहे हैं। सवाल यह है कि वह राज्यसभा में वह कब शपथ लेंगे। राज्यसभा का मौजूदा सत्र 2 अप्रैल तक चलेगा। उम्मीद है कि वे इसी दौरान शपथ ले सकते हैं। ऐसे में उनका दिल्ली जाना भी तय माना जा रहा है। भारतीय संविधान के मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति राज्यसभा का सदस्य बनता है, तो उसे 14 दिनों के अंदर अपनी राज्य की सदस्यता छोड़नी होती है। इस हिसाब से माना जा रहा है कि नीतीश कुमार को 30 मार्च तक विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा देना होगा।नीतीश कुमार 16 मार्च को राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं।

सीएम के गृह क्षेत्र नदबई में लूट के दौरान ज्वेलर की गोली मारकर हत्या

नदबई । राजस्थान के भरतपुर जिले में एक दिल दहला देने वाली वारदात में 45 वर्षीय ज्वेलर की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी और सोने-चांदी के गहनों से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। मृतक की पहचान योगेंद्र चोपड़ा के रूप में हुई है, जिन पर उनके घर से महज 100 मीटर की दूरी पर हमला किया गया। वह दुकान बंद कर स्कूटर से घर लौट रहे थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना शाम करीब 7-15 बजे नदबई के पंजाबी कॉलोनी इलाके में हुई। बाइक सवार दो बदमाश नगर रोड की ओर से आए।

अखिलेश यादव ने कही बड़ी बात

भाजपा की सोच ही काला-कारोबारी है

नई दिल्ली/ एजेंसी

एलपीजी किल्लत के बीच अखिलेश यादव का बयान सामने आय है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में भाजपा पर तंज कसा और डिप्टी सीएम पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी और सेवा का दावा करने वाले भाजपा के लगो और उनके संगी-साथी। अब नजर नहीं आ रहे हैं। साथ ही सपा सुप्रीमो ने सवाल पूछते हुए कहा कि गैस और तेल की लाइन में खड़े लोगों को समझाने और सिलेंडर व तेल दिलवाने के लिए अब क्यों नहीं भाजपा के लोग और कार्यकर्ता गले में पार्टी का पट्टा और गाड़ियों पर पार्टी का झंडा लगाकर क्यों नहीं निकल रहे हैं?अखिलेश ने यह भी पूछा कि वह स्टूल लगाकर गैस एजेंसी और पेट्रोल पंपों के आगे क्यों नहीं बैठ जाते?

बड़े युद्ध के लिए भारत कर रहा बड़ी तैयारी

रक्षा उपकरणों के अपडेट के लिए 2.38 लाख करोड़ रूपए मंजूरी.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

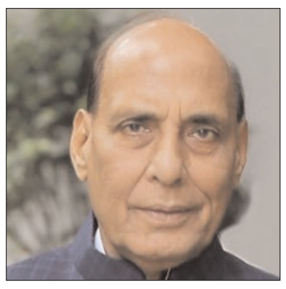

भारत अपने रक्षा उपकरणों को बड़े पैमाने पर अपडेट कर रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में 27 मार्च, 2026 को हुई बैठक में लगभग 2.38 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाले विभिन्न प्रस्तावों के लिए आवश्यकता स्वीकृति (एओएन) प्रदान की गई। भारतीय सेना के लिए, वायु रक्षा ट्रैक प्रणाली, बख्तरबंद भेदी टैंक गोला बारूद, उच्च क्षमता वाली रेडियो रिले, धनुष तोप प्रणाली और रनवे स्वतंत्र हवाई निगरानी प्रणाली को मंजूरी दी गई। वायु रक्षा ट्रैक प्रणाली वास्तविक समय में वायु रक्षा नियंत्रण और रिपोर्टिंग क्षमता प्रदान करेगी, जबकि उच्च क्षमता वाली रेडियो रिले विश्वसनीय और त्रुटिरहित संचार प्रदान करेगी। धनुष तोप प्रणाली सभी भूभागों में लंबी दूरी पर लक्ष्यों को भेदने की तोपखाने की क्षमताओं को बढ़ाएगी, जिससे मारक क्षमता और सटीकता में वृद्धि होगी। रनवे इंडिपेंडेंट एरियल सर्विलांस सिस्टम (एस-400) सेना की इकाइयों को निगरानी क्षमता प्रदान करेगा, जबकि आर्मर्ड पियर्सिंग टैंक गोला-बारूद टैंक-रोधी गोला-बारूद की मारक क्षमता को बढ़ाएगा। भारतीय वायु सेना के लिए, मध्यम परिवहन विमान, एस-400 लंबी दूरी की सतह से वायु में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, रिमोटली पायलेटेड स्ट्राइक विमान और एसयू-30 एयरो इंजन एग्रीगेट्स के नवीनीकरण की खरीद के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

सोनिया गांधी के स्वास्थ्य में सुधार, एक-दो दिन में अस्पताल से मिल सकती है छुट्टी

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है। उनके डॉक्टरों ने शुक्रवार को बताया कि उन्हें एक-दो दिन में अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। 79 वर्षीय नेता को 25 मार्च रात करीब 10:22 बजे बुखार आने के बाद सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के अध्यक्ष अजय स्वरूप के अनुसार, सोनिया गांधी अब काफी बेहतर हैं और सहज महसूस कर रही हैं। वे चल-फिर रही हैं और उन्होंने नाश्ता भी किया है।उनकी प्रगति सुचारू है और जल्द ही उन्हें छुट्टी मिलने की उम्मीद है।

ईरान संकट पर डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान

ट्रंन बोले.....पीएम मोदी के साथ मिलकर सुलझा लेंगे हर समस्या

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम एशिया में गहराते संकट के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक बड़ा बयान सामने आया है। ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने मजबूत संबंधों का हवाला देते हुए कहा है कि वे दोनों मिलकर किसी भी बड़ी समस्या का हल निकाल सकते हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान और इजरायल के बीच जारी तनाव ने पूरी दुनिया को एक बड़े ऊर्जा संकट और आर्थिक अस्थिरता के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच फोन पर चर्चा हुई थी। इस बातचीत के दौरान पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर सकारात्मक चर्चा की गई। भारत में अमेरिकी दूतावास द्वारा साझा किए गए संदेश में ट्रंप ने कहा ने कि भारत और अमेरिका के संबंध लगातार प्रगाढ़ हो रहे हैं। पीएम मोदी और मैं ऐसे दो व्यक्ति हैं जो किसी भी चुनौती से निपटने में सक्षम हैं। इसके लिए ज्यादा शब्दों की आवश्यकता नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बातचीत के दौरान स्पष्ट किया कि भारत का रुख हमेशा से शांति और स्थिरता के पक्ष में रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दुनिया के लिए युद्ध का जल्द से जल्द रुकना बेहद जरूरी है। भारत ने पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने के लिए हर संभव सहयोग देने की बात कही है। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी वैश्विक स्थिरता बनाए रखने के लिए पीएम मोदी के साथ लगातार संपर्क में रहने की इच्छा जताई है।

ऊर्जा संकट के बीच सरकार का बड़ा फैसला

पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क घटाकर 3 किया और डीजल पर शून्य

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उसके कारण उपजे ऊर्जा संकट के बीच सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। दरअसल वित्त मंत्रालय द्वारा 26 मार्च को जारी की गई अधिसूचना के अनुसार, प्रति लीटर पेट्रोल-डीजल पर 10 रुपये एक्साइज ड्यूटी घटाने का फैसला किया है। सरकार के इस कदम के बाद पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी, जो पहले 13 रुपये थी, वो अब घटकर 3 रुपये रह गई है और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी, जो पहले 10 रुपये थी, वो अब शून्य हो गई है। यह कदम पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच कच्चे तेल की बढ़ती वैश्विक कीमतों से जूझ रही तेल विपणन कंपनियों, एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसी, को राहत देने के लिए उठाया गया है। मंत्रालय ने कहा कि यह कटौती तत्काल प्रभाव से लागू होगी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के चलते अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में करीब 50 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि सरकार ने इस संकट के बावजूद अभी तक पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रखे हैं, जिससे देश में ईंधन विपणन कंपनियां दबाव में थीं। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ने गुरुवार को जारी नोट में कहा कि यदि कच्चे तेल का औसत मूल्य 100-105 डॉलर प्रति बैरल तक रहता है, तो ईंधन कंपनियों को पेट्रोल पर 11 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 14 रुपये प्रति लीटर तक का नुकसान हो सकता है।इस महीने की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतें 119 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं, जो बाद में घटकर करीब 100 डॉलर प्रति बैरल रह गईं। दिल्ली में फिलहाल पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस का करीब आधा आयात करता है, जिसका बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। संघर्ष बढ़ने के साथ ईरान ने इस जलडमरूमध्य को अवरुद्ध कर दिया, जिससे टैंकरों की आवाजाही लगभग ठप हो गई। नायरा एनर्जी, जो देश के 1,02,075 पेट्रोल पंपों में से 6,967 का संचालन करती है, ने बढ़ी लागत का कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं पर डालने का फैसला किया है। उसके पंपों पर पेट्रोल 100.71 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.31 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बीपी की संयुक्त ईंधन रिटेल कंपनी जियो-बीपी, जिसके 2,185 आउटलेट हैं, ने भारी नुकसान के बावजूद अभी तक कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की है। सरकारी तेल कंपनियां, जो बाजार के करीब 90 प्रतिशत हिस्से पर नियंत्रण रखती हैं, फिलहाल कीमतों को स्थिर बनाए हुए हैं। पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी (उत्पाद शुल्क) केंद्र सरकार द्वारा लगाया जाने वाला एक टैक्स है। इसे लगाने के पीछे मुख्य उद्देश्य राजस्व इकट्ठा करना है, जिसका उपयोग देश के विकास, बुनियादी ढांचे , रक्षा और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए किया जाता है।

140 करोड़ नागरिकों को सीधी राहत देने वाला ऐतिहासिक निर्णय : सीएम साय

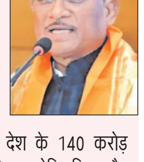

रायपुर। केंद्र सरकार द्वारा डीजल को एक्साइज ड्यूटी से मुक्त करने और पेट्रोल पर 10 प्रति लीटर की कटौती करते हुए एक्साइज ड्यूटी को मात्र 3 प्रति लीटर करने के निर्णय का मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वागत किया है। उन्होंने इसे देश के 140 करोड़ नागरिकों को सीधी राहत पहुंचाने वाला ऐतिहासिक और जनहितकारी कदम बताया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस निर्णय से देश के प्रत्येक परिवार, किसान, श्रमिक और मध्यमवर्ग को व्यापक राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक संकट के इस दौर में भी केंद्र सरकार द्वारा आम नागरिकों पर अतिरिक्त बोझ न बढ़ने देना एक बड़ी संवेदनशील पहल है, जो आमजन के जीवन को सीधे प्रभावित करेगी। मुख्यमंत्री साय ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए छत्तीसगढ़ की समस्त जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति हृदय से धन्यवाद और आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार लगातार जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्णय ले रही है। यह फैसला प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता, संवेदनशीलता और देशवासियों के प्रति समर्पण का सशक्त उदाहरण है।

संक्षिप्त समाचार

सिंघोडा पुलिस बड़ी कार्रवाई, लगभग 1 करोड़ 12 लाख 50 हजार रुपये के 225 किलो गांजा किया जब्त, मामले में 6 आरोपी गिरफ्तार

सरायपाली ग्रामीण (समय दर्शन)। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत महासमुंद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने करीब 1 करोड़ 12 लाख 50 हजार रुपये कीमत के 225 किलो गांजा के साथ 06 गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी उड़ीसा से गांजा लेकर छत्तीसगढ़ की ओर आ रहे थे। इस दौरान सिंघोडा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर रेहटीखोल के पास घेराबंदी कर कार्रवाई की और तस्करों को पकड़ा है। बताया जा रहा है कि आरोपी टाटा योद्धा पिकअप वाहन क्रमांक OD 15 V 4676 में 09 बोरियों में कुल 213 पैकेट गांजा लेकर परिवहन कर रहे थे। इस पिकअप वाहन में दो आरोपी सवार थे, जबकि पायलटिंग वाहन क्रमांक क्क 96त्त 3658 में चार अन्य आरोपी मौजूद थे। गिरफ्तार आरोपियों में 02 आरोपी मध्यप्रदेश तथा 04 आरोपी उत्तरप्रदेश के निवासी बताए जा रहे हैं। सभी आरोपियों की उम्र 23 वर्ष से 48 वर्ष के बीच है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान दो वाहन और 225 किलो गांजा जब्त किया है तथा सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पाटन का हुआ विस्तार, तोरण सिन्हा बने उपाध्यक्ष

पाटन। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पाटन का संगठनात्मक विस्तार करते हुए नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। इस विस्तार के तहत ग्राम तरीघाट निवासी तोरण सिन्हा को ब्लॉक उपाध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। नवनियुक्त उपाध्यक्ष तोरण सिन्हा ने अपनी नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज तथा जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर के प्रति आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जो विश्वास उन पर जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से खरा उतरने का प्रयास करेंगे। सिन्हा ने आगे कहा कि वे कांग्रेस की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन को मजबूत बनाने के लिए सक्रिय भूमिका।

इंडसइंड बैंक ने शुरू की कैपिटल गेन अकाउंट स्कीम, पूंजीगत लाभ के सहज पुनर्निवेश में मिलेगी मदद

मुंबई : इंडसइंड बैंक ने आज कैपिटल गेन अकाउंट स्कीम (सीजीएएस) की शुरुआत की। इस योजना के तहत ग्राहक अपने दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ को पुनर्निवेश तक सुरक्षित रूप से जमा कर सकते हैं और आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार कर छूट का लाभ उठा सकते हैं। यह योजना अप्रयुक्त पूंजीगत लाभ को सुरक्षित और नियामकीय रूप से रखने की सुविधा प्रदान करती है, जिससे ग्राहक निर्धारित वैधानिक समय-सीमा के भीतर सोच-समझकर पुनर्निवेश का निर्णय ले सकते हैं। इस लॉन्च से पहले केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने इंडसइंड बैंक को कैपिटल गेन अकाउंट स्कीम, 1988 के तहत जमा स्वीकार करने की अनुमति प्रदान की थी। इस योजना के अंतर्गत बैंक उन अप्रयुक्त राशि को जमा के रूप में स्वीकार करेगा, जो पात्र पूंजीगत संपत्तियों की बिक्री से प्राप्त होती है। इनमें आवासीय संपत्तियां, फ्लैट, फार्महाउस, कृषि भूमि, शहरी भूमि और विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) की भूमि शामिल हैं। इंडसइंड बैंक सीजीएएस के तहत दो प्रकार के खाते प्रदान करता है: टाइप ए ङ्क सेविंग्स अकाउंट: इसमें फ्लेक्सिबल जमा और निकासी की सुविधा है, कोई न्यूनतम शेष राशि नहीं है और बचत खाते के अनुसार ब्याज मिलता है। टाइप बी ङ्क टर्म डिपॉजिट अकाउंट: इसमें न्यूनतम 10,000 रूपये की जमा के साथ निश्चित अवधि के लिए निवेश किया जा सकता है, जिसमें पुनर्निवेश समय-सीमा के अनुसार अधिक रिटर्न मिलता है। यह योजना इंडसइंड बैंक की अधिकृत गैर-ग्रामीण शाखाओं में उपलब्ध है और पात्र ग्राहकों में निवासी व्यक्ति, हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ), गैर-व्यक्तिगत संस्थाएं और अनिवासी भारतीय (एनआरआई) शामिल हैं।

सरायपाली-सरसीवा सड़क निर्माण की प्रशासकीय स्वीकृति में देरी के विरोध में ग्रामीणों ने विधायक चातुरी नंद के नेतृत्व में किया चक्काजाम

बसना(समय दर्शन)। बसना ब्लाक के सागर पाली में सरायपाली से सरसीवां तक प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति नहीं मिलने से नाराज ग्रामीणों का गुस्सा आखिरकार फूट पड़ा।

लोग भारी संख्या में सड़क पर चक्काजाम कर धरने पर बैठकर अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी करते हुए शासन प्रशासन तक अपनी बात पहुंचाई। ग्रामीणों की मांगों का समर्थन देने स्थानीय विधायक चातुरी नंद भी मौके पर मौजूद रही और धरना प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए शासन पर विकास कार्यों में भेदभाव का संगीन आरोप लगाया।

विधायक चातुरी नंद ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि इस सड़क निर्माण के लिए शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में राशि का प्रावधान किया गया था, किन्तु इसके बावजूद अब तक प्रशासकीय स्वीकृति नहीं दी गई है। इस लापरवाही के चलते क्षेत्र की जनता को लंबे समय से भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि सड़क की जर्जर स्थिति के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। हर वर्ष दर्जनों लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। बीते सप्ताह ग्राम सागरपाली में दो युवकों की दर्दनाक मृत्यु ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। वहीं पिछले 2-3 वर्षों में 50 से अधिक सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें दर्जनभर से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

विधायक चातुरी नंद के कहा कि इस गंभीर समस्या को लेकर कई बार शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई। इससे क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

चक्काजाम के दौरान विधायक चातुरी नंद ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 15 दिनों के भीतर सरायपालीङ्कसरसीवां सड़क निर्माण हेतु प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान नहीं की गई, तो क्षेत्र की जनता उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

चक्काजाम की सूचना मिलते ही एसडीएम बसना हरिशंकर पैकरा, एसडीओपी ललिता मेहेर, लोक निर्माण विभाग के एसडीओ, सरायपाली थाना प्रभारी एवं प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहें। प्रशासनिक अधिकारियों ने कलेक्टर सहित उच्च अधिकारियों से चर्चा कर जल्द स्वीकृति का आश्वासन दिया लेकिन ग्रामीण ठोस आश्वासन को लेकर अपनी मांगों को लेकर अड़े रहे और शासन प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आखिरकार कलेक्टर और लोक निर्माण विभाग के उच्च अधिकारियों से दूरभाष पर मिले आश्वासन और सागरपाली में नाली एवं मरम्मत कार्य शुरू करने के आश्वासन के बाद विधायक चातुरी नंद के नेतृत्व में ग्रामीणों ने एसडीएम को अपना ज्ञापन सौंपा और चक्काजाम स्थगित किया।

स्थानीय व्यापारियों ने चक्काजाम को समर्थन देते हुए सुबह से अपनी दुकानें स्वस्फूर्त बंद रखीं जिससे चक्काजाम का व्यापक असर देखने को मिला।

इस आंदोलन में बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारीगण, नागरिकगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सभी ने एक स्वर में सड़क निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने की मांग की।

स्वच्छ और हरित विद्यालय रेटिंग में जिले का शानदार प्रदर्शन

08 विद्यालयों को मिला 04 व 05 रेटिंग

मुंगेली(समय दर्शन) शिक्षा के साथ-साथ स्वच्छता, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में जिले ने एक नई पहचान बनाई है। भारत सरकार के शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा आयोजित स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग 2025-26 के अंतर्गत मुंगेली जिले के विद्यालयों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। यह उपलब्धि न केवल शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता को दर्शाती है, बल्कि विद्यार्थियों में स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता के सफल प्रयासों का प्रमाण भी है। जिले के लगभग 1100 विद्यालयों ने इस प्रतिष्ठित रेटिंग प्रक्रिया में भाग लिया, जिनमें से 911 विद्यालयों ने स्व-मूल्यांकन पूर्ण किया। इस प्रक्रिया में विद्यालयों का मूल्यांकन 60 बिंदुओं पर किया गया, जिसमें स्वच्छ पेयजल, शौचालय व्यवस्था, हाथ धोने की सुविधा, संचालन एवं रखरखाव, व्यवहार परिवर्तन तथा 'मिशन लाइफ' गतिविधियाँ प्रमुख रही हैं। इन सभी मानकों पर विद्यालयों को 01 से 05 स्टार तक रेटिंग प्रदान की गई।

विशेष रूप से 692 विद्यालयों ने तीन, चार और पांच स्टार रेटिंग प्राप्त कर जिले की छवि को सुदृढ़ किया। इनमें से 119 विद्यालयों को जिला स्तर पर चार एवं पांच स्टार श्रेणी में चयनित किया गया, जिनका भौतिक सत्यापन विशेषज्ञ टीम द्वारा किया गया। सत्यापन के उपरांत 80 विद्यालयों को पात्र घोषित किया गया, जिनमें से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 08 विद्यालयों का चयन राज्य स्तर पर नामांकन हेतु किया गया। जिले के ये 08 विद्यालय ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों से हैं। इनमें शासकीय विद्यालयों के साथ नवोदय विद्यालय भी शामिल है, जो यह दर्शाता है कि संसाधनों के समुचित उपयोग और समर्पित प्रयासों से हर स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त की जा सकती है। इन विद्यालयों ने स्वच्छता को केवल एक अभियान नहीं, बल्कि एक आदत के रूप में अपनाया है। छात्र-छात्राओं में नियमित हाथ धोने की आदत, स्वच्छ परिसर, हरित वातावरण और जल संरक्षण के प्रति जागरूकता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं जिला पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन में जिला स्तर पर गठित समिति ने पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ चयन प्रक्रिया को पूर्ण किया। इस सफलता के पीछे जिला प्रशासन, शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों का सामूहिक प्रयास है। स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग केवल एक प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि एक सतत प्रक्रिया है, जो बच्चों को जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करती है। मुंगेली जिले के ये विद्यालय अब अन्य स्कूलों के लिए प्रेरणा स्रोत बन गए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी एल.पी.डाहिरे ने कहा कि आने वाले समय में यह अपेक्षा की जा रही है कि जिले के और भी विद्यालय इस दिशा में आगे बढ़ेंगे और स्वच्छ, स्वस्थ एवं हरित भारत के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

भालापुर की उजागर किसान मछुआ सहकारी समिति के सदस्यों को मिला आर्थिक संबल

07 हजार 500 किलो से अधिक मछली उत्पादन कर 7.50 लाख रुपये की आय की अर्जित

मुंगेली(समय दर्शन) जिले के मुंगेली विकासखंड अंतर्गत ग्राम भालापुर की उजागर किसान मछुआ सहकारी समिति मर्यादित ने सफलता की नई कहानी लिखी है। सामूहिक प्रयास, सही मार्गदर्शन और सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर समिति के सदस्यों ने आर्थिक संबल प्राप्त की है। भालापुर की यह पहल जिले के अन्य किसानों और समूहों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही है। वर्ष 2023-24 में 10 वर्षीय पट्टा प्राप्त कर समिति ने पचरी तालाब (7.729 हेक्टेयर) में मछली पालन का कार्य शुरू किया, जो आज आर्थिक समृद्धि का मजबूत आधार बन चुका है।

समिति के अध्यक्ष श्री बसंत साहू के नेतृत्व में 25 सदस्यों ने संगठित होकर मछली पालन को व्यवसाय के रूप में अपनाया। सतत प्रयास और विभागीय मार्गदर्शन के चलते समिति ने लगभग 07 हजार 500 किलो मछली उत्पादन किया, जिससे 7.50 लाख रुपये की आय अर्जित हुई और 03 लाख रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। मछली पालन विभाग द्वारा समिति को 50 प्रतिशत अनुदान पर आवश्यक सामग्री, जाल एवं अन्य संसाधन उपलब्ध कराए गए। इसके साथ ही 10 दिवसीय प्रशिक्षण के माध्यम से सदस्यों को वैज्ञानिक तरीके से मछली पालन, तालाब प्रबंधन और उत्पादन बढ़ाने की तकनीकों की जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण ने समिति के कार्य को और अधिक प्रभावी बनाया। समिति के सदस्यों का कहना है कि इस पहल से न केवल उनकी आय में वृद्धि हुई है, बल्कि उनके जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार आया है। अब वे आर्थिक रूप से अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर महसूस कर रहे हैं।

कलर्स का 'डॉ. आरंभि' | 'मन्नत हर खुशी पाने की' महासंगमः एक सशक्त महिला गठबंधन का प्रदर्शन

दोनों सबसे पसंदीदा फैमिली ड्रामा अब एक साथ लौट रहे हैं! डॉ. आरंभि और 'मन्नत हर खुशी पाने की द्व' कलर्स पर एक धमाकेदार महासंगम लेकर आ रहे हैं, जिसमें भरपूर होगा स्पेक्टेकल, इमोशन और ज़बरदस्त टकराव। इस खास क्रॉसओवर में दिखेगा कि जब एक महिला दूसरी महिला का साथ देती है, तो कहानी में कैसे बड़ा मोड़ आता है। इस एपिसोड में आरंभि (ऐश्वर्या खरे) अपनी दुनिया से आगे बढ़कर मानत (आयेशा सिंह) की उथल-पुथल भरी जिंदगी में कदम रखती हैं जहां महत्वाकांक्षा की कीमत चुकानी पड़ती है, ताकत कई रूपों में छिपी होती है और जीने के लिए हिम्मत चाहिए। सहजता और सहानुभूति से जुड़ी ये दोनों महिलाएं सिर्फ जवाबों के लिए नहीं, बल्कि अपने विश्वासों के लिए लड़ती हैं। सलूजा मैन्शन में विक्रांत (अदनान खान) और याशिका (लीना जुमानी) का भव्य संगीत समारोह शुरू होता है। जो रात संगीत और जश्न से सजी थी, वह जल्द ही भावनाओं के प्रेशर कुकर में बदल जाती है। मानत एक ही मकसद लेकर आती है अर्जू की असली पहचान उजागर करना। वह साहसिक कदम उठाते हुए उसका ड्रिंक स्पाइक करती है, जो या तो उसका राज खोल देगा या पूरी तरह उल्टा पड़ सकता है। जैसे-जैसे गुस्सा बढ़ता है और रिश्तों की वफादारी टूटने लगती है, आरंभि सामने आती है और मानत का मज़बूती से साथ देती है। वह हर कदम पर मानत को सपोर्ट करती है और सच को सामने लाने में मदद करती है।

श्रीराम नवमी की धूम : बिर्रा के मठ मंदिर में रामायण पाठ और कीर्तन भजन का हुआ आयोजन

बिर्रा// समय दर्शन //-श्रीराम नवमी के पावन पर्व पर आज शुक्रवार को दीवान मोहल्ला स्थित प्राचीन मठ मंदिर में रामायण पाठ एवं कीर्तन भजन का भव्य आयोजन श्री राम भक्तों द्वारा किया गया। यह आयोजन भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव की खुशी में समर्पित था, जहां मर्यादा पुरुषोत्तम की लीलाओं का गुणगान करते हुए पूरा वातावरण भक्ति रस से सराबोर हो गया। रामायण पाठ के माध्यम से भक्तों ने अयोध्या नरेश के अवतार की महिमा का स्मरण किया, उसके बाद कीर्तन भजन में 'रामचरितमानस' के दोहे और लोकप्रिय भजन जैसे 'सीता राम जय जय राम' व 'प्रभु चरित सुनि सुख पावें' गूंजे। भारी उत्साह के साथ थिरकते भक्तों ने भगवान राम की भक्ति में डूबकर एक-दूसरे को प्रसाद वितरित किया। इस पावन अवसर पर प्रतीक प्रताप सिंह, सौखी लाल पटेल, फिरतू गुप्ता, महाराम कश्यप, दिलीप पांडेय, एकांश पटेल, महावीर धीवर, रामधन धीवर, कैलाश नाथ महापात्र, विशेष्वर पटेल, श्याम बाई कहार, रूखमणि कहार, संतोषी कहार सहित भारी संख्या में भक्तजन उपस्थित थे।

जवाहर नवोदय विद्यालय में करियर काउंसलिंग और साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन

सुकमा। पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय, पेंटा सुकमा-1, जिला सुकमा में करियर काउंसलिंग एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का अत्यंत प्रभावशाली एवं प्रेरणादायक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके उज्वल भविष्य हेतु उचित मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उन्हें साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक एवं सतर्क बनाना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में 150वीं बटालियन, सीआरपीएफ दोरनापाल के कमांडेंट राकेश चंद्र शुक्ला तथा विशेष अतिथि के रूप में थाना प्रभारी, दोरनापाल नितिन उपाध्याय उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार द्वारा दोनों अतिथियों का पारंपरिक एवं हर्षोल्लासपूर्ण स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष अतिथि नितिन उपाध्याय ने प्रात:काल में दो सत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें साइबर सुरक्षा एवं सामाजिक जागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए साइबर सुरक्षा की आवश्यकता को रेखांकित किया तथा विद्यार्थियों को ऑनलाइन धोखाधड़ी, संदिग्ध कॉल्स एवं सोशल मीडिया के दुरुपयोग से सतर्क रहने के लिए जागरूक किया। उन्होंने सुरक्षित एवं जिम्मेदार इंटरनेट उपयोग हेतु आवश्यक सावधानियों की विस्तृत जानकारी दी। इसके अतिरिक्त उन्होंने नशाखोरी के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को इससे दूर रहने एवं स्वस्थ, सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

संध्याकाल में मुख्य अतिथि राकेश चंद्र शुक्ला ने दो सत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रेरित किया। अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए अनुशासन, परिश्रम एवं लक्ष्य निर्धारण के महत्व पर विशेष बल दिया। उन्होंने अपने अनुभवों के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्र सेवा के प्रति प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने आत्मविश्वास को सफलता की कुंजी बताते हुए कहा कि आत्मविश्वास, सतत प्रयास और सकारात्मक दृष्टिकोण से ही जीवन में उच्च लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति अडिग रहने और दृढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत राकेश चंद्र शुक्ला ने विद्यार्थियों के द्वारा अर्जित अब तक के अनुभव व जानकारी को समझते हुए उनको और अधिक जानने व सिखाने के लिए प्रेरित प्रेरित होने का संदेश प्रदान किया, इसके दौरान उन्होंने बहुत सारे प्रश्न किया जो बच्चों के लिए अत्यंत रुचि कर और आनंददायक था। इस दौरान बच्चों ने अत्यंत सकारात्मक व खुले अंदाज में अपने भावनाओं को व्यक्त कर पाए और सर से बातचीत के दौरान कई सारी चीजों को सिख और समझ पाए, अपने उद्देश्य को समझने व जानने के लिए बच्चों को जिस तरह की तेरा प्रेरणा बहुत सा की आवश्यकता है वह सब उन्हें प्राप्त हुआ।

विद्यालय के प्राचार्य संजय कुमार मंडल ने अपने संबोधन में अतिथियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास, जागरूकता एवं व्यक्तित्व निर्माण में अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को कार्यक्रम से प्राप्त ज्ञान एवं अनुभवों को अपने दैनिक जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने जिज्ञासापूर्ण प्रश्नों के माध्यम से विषयों की गहन जानकारी प्राप्त की। अंत में विद्यालय परिवार की ओर से अतिथियों को स्मृति-चिह्न भेंट कर धन्यवाद ज्ञापित किया गया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

03 अलग – अलग कॉल सेंटरों से सुपरवाईजर सहित कुल 42 आरोपी गिरफ्तार

अंतर्राष्ट्रीय साईबर ठगी करने वाले अवैध कॉल सेंटर गिरोह का पर्दाफाश

रायपुर ।

थाना गंज के पिथालिया काम्पलेक्स में 02 तथा न्यू राजेन्द्र नगर के अंजनी टॉवर में 01 ऑफिस सहित कुल 03 कॉल सेंटर का कर रहे थे संचालन

पुलिस उपायुक्त (क्राईम एवं सायबर) श्री स्मृतिक राजनाला, पुलिस उपायुक्त (मध्य जोन) श्री उमेश प्रसाद गुप्ता एवं पुलिस उपायुक्त (पश्चिम जोन) श्री संदीप पटेल एवं के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट, थाना गंज तथा थाना न्यू राजेन्द्र नगर टीम की संयुक्त कार्यवाही

दोनों प्रकरणों में कुल 42 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 67 नग मोबाईल फोन, 18 नग लैपटाप, 28 नग कम्प्यूटर सेट एवं 03 नग वाईफाई एयरटेल राउटर कुल जुमला कीमती 16,53,000/-रूपये किया गया है जप्त

आरोपियों के विरूद्ध थाना गंज में अपराध क्रमांक 83/26 धारा 61(2), 112(2), 316(2), 318(4), 319(2), 336(3), 337, 338, 340(2) बी.एन.एस एवं 66(सी), 66 (डी) आई.टी. एक्ट तथा थाना न्यू राजेन्द्र नगर में अपराध क्रमांक 131/26 धारा 61(2), 112(2), 316(2), 318(4), 319(2), 336(3), 337, 338, बी.एन.एस एवं 66(सी), 66 (डी) आई.टी. एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही किया गया

तरीका वारदात

तीनों कॉल सेंटर में 03 सुपरवाईजर थे, रोहित यादव, गौरव यादव एवं सौरभ सिंह कॉल सेंटर का संचालन करते है, प्रत्येक कॉल सेंटर में कर्मचारियों की नियुक्ति होती है, जिनको 15,000/- रूपये मासिक वेतन एवं कमीशन पर रखा जाता है। कर्मचारी यूएसए. में कॉल करते है और बैंक लोन/सिबील सुधार/फ्रॉड ट्रांजक्शन के लिये कॉल करते है और इन सभी सुधार कार्य हेतु कंपनी द्वारा बैंक में रकम जमा करना

बताते हैं, उक्त रकम को वापस गिफ्ट कार्ड के माध्यम से भारतीय मुद्रा में बदलकर विदेश में बैठे नागरिकों से ठगी करते है। सुपरवाईजरों को इसके लिये 30,000/- रूपये मासिक वेतन और ठगी हुई मुद्रा का 02 प्रतिशत कमीशन प्राप्त होता है। पूछताछ में प्राप्त जानकारी के अनुसार विदेशों में जो बैंक है वे छोटी रकम की शिकायत या चेक लगने पर तुरंत रकम खाता धारक के खाता में डाल देते है। 48 घंटे के बाद जांच करते है, जांच उपरांत धोखाधड़ी ज्ञात होने पर खाता धारक से रकम वापस ले लेते है। इसी जानकारी का फायदा उठाकर आरोपियों द्वारा कॉल सेंटर संचालित कर विदेशों में ठगी की जा रहीं थी

प्रथम चरण (डेटा प्राप्त कर कॉल करना) - कॉलिंग ग्रुप - सर्वप्रथम कंपनी के कर्मचारियों द्वारा व्हाट्सएप/टेलीग्राम मेल ग्रुप के माध्यम से अमेरिका में बैंकों में लोन एप्लाई करने वाले व्यक्तियों का डेटा प्राप्त कर उन्हें लोन लेने के लिये कॉलिंग एप के माध्यम से विदेशों में कॉल किया जाता था, जो बाते बोलनी थी वह अंग्रेजी में स्क्रीन में लिखी रहती थी। जैसे ही व्यक्ति लोन लेने के लिये तैयार होता था वहां से इनकी योजना शुरू होती थी।

द्वितीय चरण (लोन प्राप्त करने वाले व्यक्ति को सिबील खराब होने और सुधारने का आश्वासन देना

डिपॉजिट ग्रुप - इस चरण में जैसे ही व्यक्ति लोन के लिये बात करता उससे बैंक अकाउंट का संपूर्ण डिटेल लेकर अपने कंपनी के ग्रुप में कॉल सेंटर के कर्मचारी डाल देते थे, ग्रुप के अन्य व्यक्ति डेटा चेक कर लोन प्राप्त करने वाले व्यक्ति को उसकी डिटेल बताते थे और सिबील सुधारने का आश्वासन देते थे और कुछ देर बाद वापस कॉल करने बोलते थे। व्यक्ति से प्राप्त डेटा को कंपनी का सुपरवाईजर अपने उपर के अहमदाबाद में बैठे मास्टर माइंड द्वारा बनाये गये व्हाट्सएप ग्रुप में भेज देता था जिसमें विदेशों से भी जुड़े कुछ लोग शामिल रहते थे।

गैस किल्लत समस्या को देखते हुए 45 नग छतीसगढ़ गैस कॉमर्शियल सिलेंडर जप्त

रायपुर। धारा-106 BNSS के तहत कार्यवाही जिनसे सिलेंडर बरामद नाम/पता 1.गिनेश्वर प्रसाद पिता लेखराम साहू उम्र-32 पता- कुरूद वार्ड क्र.01लीला चौक थाना आरंग जिला-रायपुर 2.लादू राम पिता रामरख राम उम्र-29 साल पता- बिकमकोर कड़वासरा केडाने मोहल्ला थाना मतोड़ा जिला- जोधपुर (राजस्थान) हालपता- बालाजी होटल रसनी थाना आरंग जिला-रायपुर पुलिस अधीक्षक महोदया श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा के दिशा निर्देश पर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत शुक्ला (ग्रामीण) के मार्गदर्शन में तथा अनुविभागीय अधिकारी (विधानसभा) वीरेन्द्र चतुर्वेदी के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी खरोरा के नेतृत्व में किया गया जप्त

विवरण:- इस प्रकार है कि आज दिनांक 25/03/26 को जरिए मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम चिचोली शान ए पंजाब ढ़ाबा के सामने मेनरोड में वाहन पिकअप सफेद रंग क्रमांक CG 04 QK 6282 के डाला में अधिक मात्रा में भरा हुआ कॉमर्शियल सिलेंडर रखा हुआ है, गाड़ी में दो लोग बैठे हुए है। सिलेंडर को बेचने के लिये ग्राहक की तलाश कर रहे है जिस पर तस्दीक हेतु मुखबीर द्वारा बताये स्थान ग्राम चिचोली शान ए पंजाब ढ़ाबा के सामने तिल्या- खरोरा मेन रोड पहुंचा जहां पर वाहन पिकअप सफेद रंग क्रमांक छ्त्र 04 त्क्य 6282 के डाला में लाल रंग का एक इंडियन कंपनी का खाली सिलेंडर एवं लाल नीला रंग का 37 नग श्री छत्तीसगढ़ गैस लिखा हुआ 21 किलोग्राम वाला भरा हुआ सिलेंडर तथा लाल नीला रंग का 07 नग श्री छत्तीसगढ़ गैस लिखा हुआ खाली सिलेंडर पाया गया

जिसे गवाहो के समक्ष बरामद कर ड्रायवर गिनेश्वर प्रसाद साहू एवं कंडक्टर लावू राम को दस्तावेज पेश करने नोटिस दिया गया जो कोई दस्तावेज पेश नहीं करते हुए कागजात मालिक भुपेश्वर प्रसाद साहू के पास होना तथा उसी के हिसाब से काम करने बताये। ड्रायवर गिनेश्वर प्रसाद साहू एवं कंडक्टर लादूराम के संयुक्त कब्जे से एक पिकअप सफेद रंग जिसमें आगे-पीछे दोनो नंबर प्लेट में छ्त्र 04 त्क्य 6282 अंकित है पुरानी इस्तेमाली किमती लगभग 10,00,000 रूपये तथा लाल रंग का एक इंडियन कंपनी का खाली सिलेंडर सील खुला हुआ एवं लाल नीला रंग का 37 नग श्री छत्तीसगढ़ गैस लिखा हुआ 21 किलोग्राम बाला भरा हुआ सिलेंडर सीलबंद 07 नग श्री छत्तीसगढ़ गैस लिखा हुआ खाली सिलेंडर अनुमानित कीमत 74,000 रूपये रूपये को गवाहों के समक्ष जप्त कर धारा- 106 भा.ना.सु.सं. के तहत कार्यवाही करते हुए मामला खाद्य विभाग से संबंधित होने से अग्रिम वैधानिक कार्यवाही हेतू खाद्य निरीक्षक शुभा गुप्ता को 45 नग सिलेंडर वाहन चालक एवं कंडेक्टर को संपूर्ण दस्तावेज सुपुर्द किया गया।

राजमिस्त्री की बेटी मोनिखा सोनोवाल ने दर्द और आत्म-संदेह को हराकर जीता केआईटीजी वेटलिफ्टिंग गोल्ड

रायपुर। शायद वह अभी कंस्ट्रक्शन साइट पर व्यस्त होंगे, मोनिखा सोनोवाल ने मुस्कुराते हुए कहा, जब वह अपने पिता को फोन लगाने की कोशिश कर रही थीं। कुछ ही क्षण पहले 19 वर्षीय मोनिखा ने यहां जारी पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में महिलाओं के 48 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था और यह खुशखबरी अपने पिता को देना चाहती थीं। उनके पिता पद्मधर सोनोवाल एक राजमिस्त्री हैं, जो चार सदस्यों के परिवार का पालन-पोषण करने के लिए दिनभर कड़ी मेहनत करते हैं। मोनिखा की खेल यात्रा में वे हमेशा उनकी सबसे बड़ी ताकत रहे हैं।

दो बहनों में बड़ी मोनिखा असम के धेमाजी जिले के बटघोरिया पेनबेनी चौक की रहने वाली हैं। ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी तट पर बसे इस शांत इलाके की दूरी गुवाहाटी से लगभग 425 किलोमीटर है। यहां जीवन शांत और साधारण है, जहां ज्यादातर परिवारों के सपने रोजमर्रा की जरूरतों तक ही सीमित रहते

हैं। लेकिन मोनिखा के लिए वेटलिफ्टिंग हॉल में बजने वाली बारबेल की आवाज एक ऐसे सपने की शुरुआत थी, जो सीमाओं में बंधने को तैयार नहीं था। सीमित संसाधनों के बावजूद खेल के प्रति उनकी जिज्ञासा धीरे-धीरे जुनून में बदल गई, जिसे पड़ोसी राज्य मणिपुर की टोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू से प्रेरणा मिली। और गुरुवार को वही सपना हकीकत में बदल गया, जब उन्होंने घुटने की चोट के बावजूद संघर्ष करते हुए खेलों का पहला वेटलिफ्टिंग स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह जीत उनके वर्षों की मेहनत का परिणाम थी। उनके सफर में एक बड़ा मोड़ दो साल पहले आया, जब उन्होंने भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) के नेशनल सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस (NCOE) ईटानगर में प्रवेश लिया। कचारी जनजाति से आने वाली मोनिखा ने कहा, एनसीओई ईटानगर ने मुझे वह सब कुछ दिया, जिसका मेरे जैसे छोटे गांव की खिलाड़ी केवल सपना देख सकती थी—बेहतर ट्रेनिंग, पोषण, मार्गदर्शन और चोट से उबरने की सुविधा। इस सहयोग के बिना यहां तक पहुंचना बहुत मुश्किल था। इसके बाद उनकी प्रगति लगातार होती रही। 2023 में उन्होंने स्कूल नेशनल्स में स्वर्ण पदक जीता। 2024 में ओडिशा के संबलपुर में आयोजित खेलो इंडिया अस्मिता लीग में रजत पदक हासिल किया। 2025 में तेजपुर में राज्य चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता और चंडीगढ़ में इंटर-यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में आठवां स्थान प्राप्त किया।

कर्नाटक के तैराक मणिकांता ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की, छत्तीसगढ़ की अनुष्का भगत ने जीता दूसरा पदक

रायपुर। कर्नाटक के तैराक मणिकांता एल ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले में अपना तीसरा लगातार स्वर्ण पदक जीतकर स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की। वहीं ओडिशा की अंजलि मुंडा ने महिलाओं की स्पर्धा में अपना दूसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। यह उपलब्धियां उन्होंने गुरुवार को यहां खेले जा रहे खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के दूसरे दिन हासिल कीं। मेजबान छत्तीसगढ़ के लिए भी खुशी की बात रही, जहां स्थानीय तैराक अनुष्का भगत ने महिलाओं की 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले में दूसरा स्थान हासिल कर अपना दूसरा रजत पदक जीता। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के इस पहले संस्करण में 30 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें लगभग 3800 खिलाड़ी नौ खेलों में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, वेटलिफ्टिंग और कुश्ती में कुल 106 स्वर्ण पदक दांव पर हैं, जबकि मल्लखंब और कबड्डी

को प्रदर्शन खेल के रूप में शामिल किया गया है। मणिकांता, जिन्होंने बुधवार को 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक और 50 मीटर बटरफ्लाई में स्वर्ण पदक जीते थे, ने अपना दबदबा जारी रखते हुए 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले 2:25.93 सेकंड में जीत लिया। त्रिपुरा के रियाज त्रिपुरा (2:34.04 सेकंड) ने रजत और ओडिशा के कान्हू सोरेन (2:36.21 सेकंड) ने कांस्य पदक जीता। महिलाओं की 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले में अंजलि मुंडा ने 2:53.82 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। छत्तीसगढ़ की अनुष्का भगत (2:59.33 सेकंड) ने रजत और ओडिशा की अंजलि मलिक (3:06.13 सेकंड) ने कांस्य पदक जीता। पदक तालिका में कर्नाटक छह स्वर्ण और दो रजत पदकों के साथ शीर्ष पर है, जबकि ओडिशा तीन स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है। वेटलिफ्टिंग में असम की मोनिखा सोनोवाल और मिजोरम के इसाक मालसावम्तलुआंगा ने चोट से जूझते हुए शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीते। मोनिखा ने घुटने की चोट के बावजूद महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में 57 किग्रा स्नैच और 75 किग्रा क्लीन एंड जर्क के साथ कुल 132 किग्रा उठाकर स्वर्ण पदक जीता।

ग्राम कोडार में 250 मीटर तटबंध का होगा निर्माण तटबंध से रुकेगा कटाव और ग्रामीणों को मिलेगी बाढ़ से सुरक्षा

उपमुख्यमंत्री ने 4.08 करोड़ रूपए की लागत के सकरी नदी तटबंध निर्माण का किया भूमिपूजन

रायपुर। सकरी नदी में कटाव को रोकने और ग्रामीणों को बाढ़ से सुरक्षा देने के उद्देश्य से आज ग्राम कोडार में 4.08 करोड़ रुपए की लागत से 250 मीटर लंबे तटबंध निर्माण कार्य का भूमिपूजन उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने किया। इस महत्वपूर्ण परियोजना से ग्राम कोडार के नदी किनारे बसे मकान सुरक्षित होंगे, कटाव की समस्या पर नियंत्रण मिलेगा और ग्रामीणों को निस्तारी की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्राम रेंगाखार पंचायत के आश्रित ग्राम कोडार में आयोजित कार्यक्रम में विधिवत पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सकरी नदी के किनारे

लगातार हो रहे कटाव से ग्रामीणों को लंबे समय से परेशानी हो रही थी, जिसे ध्यान में रखते हुए इस तटबंध निर्माण की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने बताया कि 250 मीटर लंबा यह तटबंध न केवल नदी के कटाव को रोकेगा, बल्कि बाढ़ के दौरान पानी के दबाव से होने वाले नुकसान को भी कम करेगा। इससे नदी किनारे बसे घर सुरक्षित रहेंगे और लोगों को बार-बार होने वाले नुकसान से राहत मिलेगी। साथ ही, नदी किनारे रहने वाले ग्रामीणों के लिए निस्तारी की सुविधाएं भी बेहतर होंगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीणों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि ग्राम में 142 आवास स्वीकृत किए गए हैं और सर्वे सूची में शामिल सभी पात्र हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराया जा चुका है। सरकार ने

अपने वादे के अनुरूप गठन के साथ ही कैबिनेट की पहली बैठक में आवास योजना को स्वीकृति देकर इसे प्राथमिकता दी है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ गांव में ही आसानी से मिल सके, इसके लिए ग्राम पंचायत भवन में डिजिटल सुविधा केंद्र संचालित किया जा रहा है, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को विशेष सुविधा मिल रही है। साथ ही महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 25 किस्तों में 25 हजार रुपए की राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित की जा चुकी है, जिससे महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिली है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है, ताकि अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंच सके और गांवों का समग्र विकास हो सके। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी इस योजना को क्षेत्र के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे किसानों और आम ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा। ग्रामीणों ने भी इस पहल पर खुशी जताते हुए शासन और उपमुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। तटबंध निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद सकरी नदी के किनारे बसे ग्राम कोडार के लोगों को कटाव और बाढ़ की समस्या से काफी हद तक निजात मिलेगी, जिससे उनके जीवन में स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित होगी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, श्री नितेश अग्रवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी, श्री संतोष पटेल, श्री विजय पटेल, श्री वीरसिंह पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

तेज गर्मी के बीच राजधानी में फुहार, लोगों को थोड़ी राहत

रायपुर। बढ़ती गर्मी के बीच शुक्रवार को रायपुर वासियों को थोड़ी राहत मिली है। शुक्रवार सुबह से तेज धूप से परेशान लोगों को दोपहर बाद बारिश से राहत मिली है। सुबह तेज धूप के बाद दोपहर 3 बजे के बाद गरज के साथ राजधानी में तेज बारिश शुरू हो गई। इससे तापमान में थोड़ी गिरावट भी हुई है।

रीना बाबा साहब कंगाले की सख्ती: एलपीजी वितरण पर नई व्यवस्था लागू

रायपुर। प्रदेश में एलपीजी गैस की उपलब्धता और वितरण को सुचारू बनाने के लिए खाद्य विभाग की सचिव श्रीमती रीना बाबा साहब कंगाले ने ऑयल कंपनियों के क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में गैस वितरण प्रणाली को मजबूत करने और प्राथमिकता के आधार पर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कई अहम फैसले लिए गए।

कमर्शियल एलपीजी पर नई सीमा तय

बैठक में निर्णय लिया गया कि कमर्शियल गैस उपभोक्ताओं—जैसे होटल, रेस्टोरेंट और अन्य संस्थानों—को अब पिछले महीने की खपत के अधिकतम 20 प्रतिशत तक ही एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा।

रिफिल बुकिंग के लिए समयसीमा निर्धारित

उपभोक्ताओं को समय पर गैस मिले, इसके लिए शहरी क्षेत्रों में 25 दिनों और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिनों के भीतर ऑनलाइन रिफिल बुकिंग की सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सुरक्षा और शिकायत निवारण पर जोर=

जिला प्रशासन को सभी एलपीजी एजेंसियों के कार्यालय और गोदामों में पुलिस एवं होमगार्ड की तैनाती करने को कहा गया है, ताकि भीड़ और अव्यवस्था से बचा जा सके। साथ ही वितरकों को अपने फोन नंबर सक्रिय रखने और उपभोक्ता शिकायतों का तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्राथमिकता के आधार पर गैस वितरण

उपलब्ध स्टॉक को देखते हुए गैस वितरण के लिए प्राथमिकता श्रेणियां तय की गई हैं। इनमें प्रमुख रूप से शैक्षणिक संस्थान, अस्पताल, सैन्य व अर्द्धसैन्य बलों के कैंप, जेल, होटल, रेलवे-एयरपोर्ट कैंटीन, शासकीय कार्यालय, गेस्ट हाउस, समाज कल्याण संस्थान, पशु आहार इकाइयां और रेस्टोरेंट शामिल हैं।

दैनिक समीक्षा से होगी निगरानी मजबूत

ऑयल कंपनियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे एलपीजी स्टॉक और वितरण की रोजाना समीक्षा करें और इसकी रिपोर्ट प्रतिदिन विभाग को भेजें, ताकि व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जा सके। बैठक में खाद्य विभाग की संचालक डॉ. फरिहा आलम, राज्य खाद्य आयोग के सदस्य सचिव राजीव कुमार जायसवाल सहित इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के अधिकारी भी मौजूद रहे।

जीएसटी की बड़ी रेड, दो फर्मों पर छापा, टैक्स चोरी के संकेत

रायपुर। राजधानी रायपुर में स्टेट जीएसटी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भैंसथान स्थित अन्नपूर्णा कॉम्प्लेक्स में लक्ष्मी कमर्शियल और एसआरएस ट्रेडर्स पर छापेमारी की है। इस कार्रवाई में करीब 10 अधिकारियों की टीम एक साथ जांच में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार, दोनों फर्मों से जुड़े चार अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ दबिश दी गई। टीम द्वारा दस्तावेजों और लेन-देन से जुड़ी जानकारी की बारीकी से जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई फर्जी बिलिंग और टैक्स चोरी की शिकायतों के आधार पर की गई है। जांच के दौरान बड़ी मात्रा में संदिग्ध दस्तावेज, ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में बड़े स्तर पर कर चोरी के संकेत मिले हैं। अधिकारियों का कहना है कि जब्त दस्तावेजों की विस्तृत जांच के बाद ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। फिलहाल जीएसटी विभाग की कार्रवाई जारी है और आगे और भी अहम खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

मालवीय रोड में अतिक्रमण हटाया गया

रायपुर। रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री विश्वदीप और यातायात एसपी श्री अजय कुमार के निर्देशानुसार एएसपी यातायात श्री विवेक शुक्ला, नगर निगम अपर आयुक्त नगर निवेश श्री पंकज के. शर्मा, नगर निवेशक श्री आभाष मिश्रा, कार्यपालन अभियंता नगर निवेश श्री आशुतोष सिंह, नगर निगम जोन 4 जोन कमिश्नर डॉ दिव्या चंद्रवंशी, कार्यपालन अभियंता श्री शेखर सिंह, सहायक अभियंता श्री दीपक देवांगन, उपअभियंता श्री हिमांशु चंद्राकर सहित सम्बंधित यातायात पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश विभाग उड़न दस्ता, नगर निगम जोन क्रमांक 4 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा राजधानी शहर नगर निगम रायपुर क्षेत्र अंतर्गत जोन क्रमांक 4 क्षेत्र अंतर्गत मालवीय मार्ग में टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत बाजार क्षेत्र में राजधानी शहर के प्रमुख मार्ग को अतिक्रमण से मुक्त करने व्यापक अभियान के अंतर्गत जनहित में जनसुविधा की दृष्टि से सुगम और सुव्यवस्थित यातायात देने सभी दुकानदारों को एक बार पुन: स्पष्ट हिदायत दी गयी कि है वे किसी भी हालत में सड़क पर कब्जा ना करें, अन्यथा की स्थिति में सड़क पर रखे उनके सभी सामानों की यातायात जाम की समस्या दूर करने जनहित में सख्तीपूर्वक तत्काल जब्ती कर ली जाएगी, इस स्थिति के निर्मित होने पर सम्बंधित कब्जाधारी दुकानदार स्वत: जिम्मेदार रहेंगे ।

आज चलाये गए जनहितकारी टीम प्रहरी अभियान के अंतर्गत जोन क्रमांक 4 अंतर्गत मालवीय मार्ग में लगभग एक दर्जन ठेलों को बाजार के प्रमुख मार्ग को कब्जामुक्त करने कड़ाई से व्यवस्था सुधारने हटाने की कार्रवाई की गयी।

संपादकीय

लोकतांत्रिक भविष्य से खिलवाड़

मुश्किलें इसलिए पैदा हुई हैं, क्योंकि सत्ता पक्ष ने पद, प्रक्रिया और परिणाम की गरिमा की चिंता छोड़ दी है। व्यापक रूप से संवैधानिक व्यवस्था की साख के साथ क्या हो रहा है, इसकी फिक्र करने की जरूरत वह नहीं समझता। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान विपक्ष ने संसदीय कार्यवाही के संचालन में अपने प्रति भेदभाव के साथ-साथ सत्ता पक्ष से स्पीकर की मिलीभगत का आरोप खुल कर लगाया। जैसा अनुमान था, अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से नामंजूर कर दिया गया। मगर जिस रोज ये हुआ, उसी दिन विपक्ष के 180 सांसदों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ पेश होने वाले अविश्वास प्रस्ताव पर दस्तखत कर दिए। अब इस प्रस्ताव को दोनों सदनों में पेश किया जाएगा। विचार के लिए प्रस्ताव के स्वीकार होने की प्रक्रिया लंबी है, इसलिए इस पर बहस के लिए (अगर वो हुई तो) अभी इंतजार करना पड़ेगा। वैसे, चर्चा हुई भी, तो यह अनुमान पहले से लगाया जा सकता है कि इसका हश्र स्पीकर के खिलाफ पेश प्रस्ताव से अलग नहीं होगा। कारण संसदीय गणित है। आज के माहौल में इसकी उम्मीद तो नहीं की जा सकती कि सत्ता पक्ष चुनाव प्रक्रिया की स्वच्छता एवं निष्पक्षता की व्यापक अपेक्षाओं को अपने दलगत हित पर तरजीह देकर समझने का प्रयास करेगा कि विपक्ष आखिर संवैधानिक पद पर बैठे एक व्यक्ति से इतना ख़फ़ा क्यों है? और यही समस्या की जड़ है। मुश्किलें इसलिए पैदा हुई हैं क्योंकि सत्ता पक्ष ने पद, प्रक्रिया और परिणाम की गरिमा की चिंता छोड़ दी है। उसे मतदाताओं की गोलबंदी की अपनी क्षमता पर इतना भरोसा है कि व्यापक रूप से संवैधानिक व्यवस्था की साख के साथ क्या हो रहा है, इसकी फिक्र करने की जरूरत वह नहीं समझता। नतीजा, अब तक राजनीतिक विवाद से परे माने जाने जानी संवैधानिक संस्थाएं और उनमें पदासीन प्राधिकारी अब रोजमर्रा की सियासत का मुद्दा बन गए हैं। उनको लेकर जनमत बंटता चला गया है। लोकतंत्र के दीर्घकालिक भविष्य के लिए इससे ज्यादा चिंताजनक बात कोई और नहीं हो सकती। अगर राजनीतिक समूह और जनमत के एक बड़े दायरे का मुख्य निर्वाचन आयुक्त एंव स्पीकर पर यकीन नहीं है, तो उससे चुनाव एवं संसदीय प्रक्रियाएं लांछित हो जाती हैं। जो लोग इसके खतरे को आज गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, वे इस देश के लोकतांत्रिक भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं।

नीतीश को हटाने का प्रयोग सफलतापूर्वक

हरिशंकर व्यास

अब सवाल है कि नीतीश कुमार से मोदी और शाह का बदला पूरा हो गया लेकिन आगे क्या? आगे भाजपा किसको मुख्यमंत्री बनाएगी यह लाख टके का सवाल है। भाजपा ने पिछले 10 सालों में जिस तरह के लोगों को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाया उसे देख कर तो लगता है कि मोदी और शाह का एकमात्र लक्ष्य लोगों को हैरान करना या चौंकाना होता है। वे चुन कर ऐसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाते हैं, जिसके बारे में किसी ने नहीं सोचा हो। जितने नाम पहले से चल रहे होते हैं उनको छोड़ कर किसी अन्य को सीएम बनाया जाता है। भजनलाल शर्मा से लेकर मोहन यादव, मोहन चरण मांझी और रेखा गुप्ता तक इसकी अनगिनत मिसाले हैं। लेकिन क्या बिहार में भाजपा इसी तरह का प्रयोग कर सकती है? यह थोड़ा मुश्किल लग रहा है क्योंकि बाकी राज्यों की तरह भाजपा को बिहार में अकेले बहुमत नहीं मिला है। दूसरे, बिना नीतीश की पार्टी के बाकी सहयोगियों के साथ भी भाजपा का पूर्ण बहुमत नहीं बनता है। दूसरी ओर मजबूत प्रादेशिक पार्टी के तौर पर राजद है, जो मौके का फायदा उठाने को तैयार है। इसलिए भाजपा को जातीय समीकरण का ध्यान रखना है तो साथ साथ नीतीश की पार्टी की पसंद का ख्याल भी रखना है। इसके अलावा कमान ऐसे नेता को देनी होगी, जो राजद से लड़ सके और गैर यादव पिछड़ी जाति के समीकरण का प्रतिनिधित्व करता हो। भाजपा यादव चेहरे का प्रयोग पहले कर चुकी है। 2015 में भाजपा ने यह प्रयोग किया था। नित्यानंद राय प्रदेश अध्यक्ष, भूपेंद्र यादव प्रभारी और रामकृपाल यादव केंद्र में मंत्री थे। भाजपा ने जम कर टिकट भी दी लेकिन 2015 का वह प्रयोग विफल रहा था। इस बार भाजपा और जदयू दोनों ने खुल कर गैर यादव राजनीति की। यादव नेताओं की टिकट काटी गई और उसकी जगह दूसरी मझोली जातियों खास कर कोईरी, कुर्मी और धानुक को आगे बढ़ाया गया। उनके ज्यादा विधायक जीत कर विधानसभा पहुंचे हैं। दूसरी बात यह है कि बिहार भाजपा के सबसे बड़े यादव नेता नंदकिशोर यादव को नगालैंड का राज्यपाल बनाया गया है। सो, यादव सीएम का प्रयोग शायद नहीं होगा। इसकी बजाय भाजपा के लिए सबसे सुरक्षित मौजूदा फॉर्मेशन को बनाए रखना है। यानी कोईरी, कुर्मी और धानुक के प्रयोग को जारी रखना ङाजपा के लिए सुरक्षित भी होगा और उसके सामाजिक समीकरण के अनुकूल भी होगा। नीतीश कुमार और उनकी पार्टी का समर्थन भी इस पर मिलेगा। इस लिहाज से उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पहली पसंद हो सकते हैं। अभी जनता दल यू के मुख्यमंत्री के साथ भाजपा के दो उप मुख्यमंत्री हैं। वैसे ही भाजपा के मुख्यमंत्री के साथ जदयू के दो उप मुख्यमंत्री हो सकते हैं। ऐसा लग रहा है कि अंत में नीतीश कुमार के बेटे निशांत को उप मुख्यमंत्री पद के लिए चुना जाएगा। सो, कोईरी मुख्यमंत्री और कुर्मी उप मुख्यमंत्री भाजपा की गैर यादव पिछड़ी जाति के राजनीति में फिट होंगे और उत्तर प्रदेश के चुनाव के लिहाज से भी यह समीकरण काम करेगा। दूसरा उप मुख्यमंत्री सवर्ण होगा या दलित यह जनता दल यू को अपनी पार्टी की राजनीति के लिहाज से तय करना है।

वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत तलाशने की बढ़ी दरकार

उमेश चतुर्वेदी

ईरान पर अमेरिकी और इजरायली कार्रवाई के बाद पेट्रोलियम पदार्थों के आयात में ना सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया को कई तरह की परेशानियों और रूकावटों का सामना करना पड़ रहा है। अगर खाड़ी संकट जल्द नहीं थमा तो पहले से ही करीब अस्सी अरब डॉलर सालाना खर्च करने वाले भारत की ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियां और बढ़ सकती हैं। पेट्रोलियम कारोबार पर निगाह रखने वाले वैश्विक संस्थानों को आशंका है कि अगर ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध लंबा खिंचा और इससे कच्चे तेल की कीमतों में प्रति बैरल दस डॉलर की भी बढ़ोत्तरी हुई तो भारत का पेट्रोलियम आयात खर्च पंद्रह हजार करोड़ डॉलर सालाना बढ़ सकता है। पेट्रोलियम आयात पर होने वाली इस बढ़ोतरी के चलते भारत पर नए सिरे से आर्थिक दबाव बढ़ेगा । ऐसे में जरूरी है कि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों को लेकर नए सिरे से विचार करे और वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों की तलाश की दिशा में ना सिर्फ आगे बढ़े, बल्कि शोध और विकास पर भी जोर लगाए।

खाड़ी संकट के बाद सिर्फ भारत ही नहीं, पूरी दुनिया को इस दिशा में सोचने को मजबूर किया है। तमाम देश वैचारिक स्तर पर पेट्रोलियम पदार्थों के विकल्पों की खोज में जुटने लगे हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर दुनिया का बढ़ता ध्यान इसी बदलते सोच का प्रतीक है। चीन ने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने पर पिछले कुछ वर्षों में इतना जोर दिया है कि वहां एक तरह से इलेक्ट्रिक वाहन क्रांति ही आ गई है। भारत ने साल 2030 तक कुल वाहनों में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी तीस प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। ईरान संकट के पहले से ही इलेक्ट्रिक वाहनों के चलन को बढ़ावा देने की सरकारी कोशिशों से सालाना पेट्रोलियम आयात में करीब 25 हजार करोड़ की बचत होने लगी है। लेकिन जिस तरह पेट्रोलियम उत्पादक खाड़ी के क्षेत्र में हालात बदल रहे हैं, उससे देश को पेट्रोलियम के विकल्प ढूंढ़ने की दिशा में तेजी लाने और इस सिलसिले में शोध और विकास को भी गति देने की जरूरत बढ़ी है। ऐसा किए बिना देश के लिए पेट्रोल और डीजल के आयात के लिए विदेशी मुद्रा के भारी खर्च पर लगाम लगाना आसान होगा।

भारत के संदर्भ में देखें, तो रसोई गैस के मोर्चे में देश ने पिछले दस वर्षों में बड़ी क्रांति को देखा है। देश के रसोई घरों में पीएनजी यानी पाइप्ड नेचुरल गैस और एलपीजी यानी लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस की खपत बढ़ी है। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार, देश में प्राकृतिक गैस की रोजाना खपत करीब 189 मिलियन घन मीटर है। लेकिन घरेलू उत्पादन महज 97.5 मिलियन घन मीटर रोजाना ही है। करीब साठ फीसद गैस बाहर से आयात ही करना पड़ता है। देश में करीब 33 लाख एलपीजी कनेक्शन हैं। इनमें दस लाख 33 हजार कनेक्शन प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत दिए गए हैं। इन कनेक्शनों पर सालाना 312 लाख टन गैस खर्च होती है। इस खर्च होने वाली गैस का साठ फीसद हिस्सा आयात किया जाता है। जाहिर है कि देश का बड़ा गैस खर्च भी आयात पर ही निर्भर है। इसमें दो राय नहीं कि आधुनिक दुनिया की ऊर्जा का सबसे बड़ा स्त्रोत पेट्रोलियम पदार्थ ही हैं, जिसमें डीजल, पेट्रोल और गैस तीनों ही शामिल हैं। भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार देश की ऊर्जा स्त्रोत के रूप में सबसे ज्यादा खपत डीजल की है, जो कुल पेट्रोलियम खर्च का करीब करीब 38.5 फीसद है। इसके बाद पेट्रोल का नंबर आता है, जिसकी कुल ऊर्जा स्त्रोत के खपत में करीब 18 प्रतिशत की भागीदारी है, जबकि तीसरे नंबर पर करीब चौदह फीसद हिस्सेदारी के साथ प्राकृतिक गैस है। भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय के मार्च 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार देश में रोजाना करीब 87 करोड़ लीटर पेट्रोल की खपत होती है। जबकि देश में इसका उत्पादन महज 9.65 करोड़ लीटर ही होता है। देश की कुल पेट्रोलियम खपत का करीब 87 फीसद हिस्सा आयात करना पड़ता है। कुल एलपीजी खर्च का 60 फीसद हिस्सा आयात से पूरा किया जाता है।

भारत में पारंपरिक रूप से लकड़ी के चूल्हे पर खाना पकाने का चलन रहा है। जिसके लिए जलावन पारंपरिक तौर पर फसलों के साथ ही पेड़ों और जंगलों से मिलता रहा है। लेकिन उन्हें बाद में स्वास्थ्य के लिए खराब माना जाने लगा। अब बदले हालात में जरूरी है कि पारंपरिक चूल्हों को विकसित करके उनकी ओर भी लौटा जाए। इसके लिए ऐसे उन्नत चूल्हे बनाए जाएं, जिससे धुआं कम से कम निकले और उनसे ऊर्जा ज्यादा मिले। अगर ऐसा हुआ तो देश सालाना तौर पर होने वाले 312 लाख टन एलपीजी के खपत को कम करके भारी मात्रा में आयात खर्च बचा सकता है। भारत में बिजली उत्पादन में भी प्राकृतिक गैस का खूब इस्तेमाल होता है। इस पर भी लगाम लगाने के लिए देश को वैकल्पिक उपाय खोजने होंगे। वैसे सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा की ओर देश ने तेजी से कदम बढ़ाए हैं। लेकिन अब इन कदमों को और तेजी से विकल्पों की दिशा में बढ़ाना होगा। भारत में सदानीरा नदियां हैं, समुद्र का भी बड़ा किनारा है। उस ओर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। समुद्री लहरों के जरिए भी बिजली बनाने पर शोध हो रहा है, इस दिशा में भी तेजी लाई जानी चाहिए। तभी जाकर हम आने वाले दिनों में ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतों का ज्यादा इस्तेमाल कर सकेंगे, तब हम आयात के भारी-भरकम खर्च से बचेंगे और दुनिया को पर्यावरण अनुकूल बना सकेंगे।

ईंधन की कमी से जूझ रही दुनिया, हर देश के सामने संकट, पाबंदियों के चलते जनता बेहाल

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व में बिगड़ते हालात के चलते दुनिया एक बार फिर उस मोड़ पर खड़ी है जहां तेल केवल ऊर्जा नहीं, बल्कि सत्ता, रणनीति और अस्तित्व का सवाल बन चुका है। ताजा हालात बता रहे हैं कि पेट्रोल की बढ़ती कीमतों ने देशों को झकझोर कर रख दिया है। ऑस्ट्रेलिया में कीमतें करीब बत्तीस प्रतिशत उछलीं, पाकिस्तान में पच्चीस प्रतिशत और अमेरिका में चौबीस प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी ने साफ कर दिया है कि यह संकट केवल आर्थिक नहीं, बल्कि वैश्विक अस्थिरता का संकेत है। जर्मनी, चीन, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन से लेकर जापान तक हर देश इस आग में झुलस रहा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि सरकारें अब सीधे जनता की जिंदगी में दखल दे रही हैं। पाकिस्तान में स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए, चार दिन का कार्य सप्ताह लागू किया गया और सरकारी कर्मचारियों के लिए आधा काम घर से करने का आदेश जारी हुआ। गैर जरूरी सरकारी वाहनों को सड़कों से हटाया गया और ईंधन आवंटन में पचास प्रतिशत कटौती कर दी गई। यह कदम साफ दिखाता है कि संकट कितना गहरा है।

श्रीलंका ने तो एक कदम आगे बढ़ते हुए सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया। स्कूल, विश्वविद्यालय और गैर जरूरी दफ्तर बंद कर दिए गए। क्यूआर आधारित ईंधन पास फिर से लागू कर दिया गया, जिसमें निजी वाहनों के लिए साप्ताहिक सीमा तय कर दी गई। यह व्यवस्था बताती है कि सरकारें अब संसाधनों को नियंत्रित करने के लिए तकनीक का सहारा ले रही हैं।

बांग्लादेश में विश्वविद्यालय और कोचिंग संस्थान बंद कर दिए गए और ऑनलाइन शिक्षा लागू की गई। पांच घंटे की बिजली कटौती ने आम जीवन को झकझोर दिया है। उर्वरक संयंत्र तक बंद करने पड़े, जिससे कृषि और खाद्य सुरक्षा पर सीधा खतरा मंडरा रहा है। भूटान में जमाखोरी रोकने के लिए जरी कैन में ईंधन बिक्री पर रोक लगा दी गई

और आपात सेवाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। फिलीपींस और वियतनाम में भी हालात काबू से बाहर जाते दिख रहे हैं। सरकारी कर्मचारियों के लिए चार दिन का कार्य सप्ताह और निजी क्षेत्र को घर से काम करने की सलाह दी गई है। गैर जरूरी यात्राओं पर रोक लगाकर सरकारें साफसंकेत दे रही हैं कि अब हर बूंद की कीमत है।

अफ्रीका और दक्षिण पूर्व एशिया में संकट और भयावह है। म्यांमार ने निजी वाहनों के लिए विषम सम प्रणाली लागू कर दी। कंबोडिया में हजारों पेट्रोल पंप बंद हो गए। लाओस में सरकारी कर्मचारियों के लिए घर से काम और रोटेटिंग शिफ्ट लागू की गई ताकि आवागमन कम हो। दक्षिण अफ्रीका में नियंत्रित आवंटन लागू हो चुका है, जबकि मिस्र में बाजार, रेस्तरां और सरकारी दफ्तरों के समय सीमित कर दिए गए और रोशनी वाले विज्ञापन बंद कर दिए गए।

वहीं केन्या ने ईंधन राशनिंग और निर्यात पर प्रभावी रोक लगा दी है। न्यूजीलैंड में हवाई सेवाएं प्रभावित हुईं और हजारों उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। स्लोवाकिया और स्लोवेनिया जैसे यूरोपीय देशों में भी डीजल खरीद पर सीमा तय कर दी गई है। इस तरह यह संकट अब किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले चुका है। देखा जाये तो यह तेल संकट केवल कीमतों का खेल नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन का नया अध्याय है। ऊर्जा आपूर्ति पर नियंत्रण रखने वाले देश अब निर्णायक बढ़त हासिल कर रहे हैं। जो देश आत्मनिर्भर नहीं हैं, वे नीतिगत गुलामी की ओर बढ़ रहे हैं। वर्क फ्रॉम होम, राशनिंग और आवागमन पर नियंत्रण जैसे कदम बताते हैं कि सरकारें अब युद्धकालीन नीतियों को शांतिकाल में लागू कर रही हैं। इसके अलावा, यह संकट आने वाले समय में कई बड़े बदलावों का संकेत दे रहा है। एक तो, ऊर्जा सुरक्षा अब राष्ट्रीय सुरक्षा का केंद्र बनेगी। इसके अलावा, डिजिटल निगरानी और संसाधन नियंत्रण बढ़ेगा, जिससे नागरिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। साथ ही, आपूर्ति श्रृंखला टूटने से खाद्य संकट और महंगाई चरम पर पहुंच सकती है। सबसे अहम बात यह है कि यह संकट देशों को मजबूर कर रहा है कि वह वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों की ओर तेजी से बढ़ें। लेकिन जब तक यह बदलाव पूरी तरह नहीं होता, तब तक जनता को कड़े प्रतिबंध और कठिन फैसलों का सामना करना ही होगा।

बहरहाल, तेल संकट ने दुनिया को आईना दिखा दिया है। यह साफ है कि आने वाले समय में ऊर्जा ही असली शक्ति होगी। सरकारें जितनी जल्दी इस सच्चाई को समझेंगी, उतना ही बेहतर होगा। लेकिन फिलहाल, हालात यह कहते हैं कि दुनिया एक लंबे संघर्ष की ओर बढ़ रही है, जहां हर देश अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है।

महिलाओं को लेकर डॉ कलाम का सपना अधूरा

योगेंद्र योगी

देश के पूर्व राष्ट्रपति और मिसाइलमैन के नाम मशहूर रहे डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा था कि महिलाओं का सशक्तिकरण एक अच्छे परिवार, अच्छे समाज और अंततः एक अच्छे राष्ट्र के विकास की ओर ले जाता है। जब महिला सुखी होती है, तो घर सुखी होता है। जब घर सुखी होता है, तो समाज सुखी होता है, और जब समाज सुखी होता है, तो राज्य सुखी होता है, और जब राज्य सुखी होता है, तो देश में शांति होती है और उसका विकास अधिक गति से होता है। देश महिलाओं की मौजूदा हालात को देखते हुए लगता यही है डॉ कलाम का यह सपना पूरा नहीं हुआ है। इस सपने को पूरा करने के लिए अभी शायद दशकों तक इंतजार करना पड़ेगा।

भारतीय महिलाओं ने स्वतंत्रता सेनानियों से लेकर संसद में नेतृत्व तक का लंबा सफर तय किया है, फिर भी सच्ची समानता अभी भी दूर है। मतदान प्रतिशत बढ़ रहा है, जमीनी स्तर पर प्रतिनिधित्व बढ़ रहा है और महिला आरक्षण विधेयक एक बड़ी छलांग का वादा करता है। लेकिन लैंगिक भेदभाव, परोक्ष राजनीति और सुरक्षा संबंधी चिंताओं जैसी व्यवस्थागत बाधाएं अभी भी बनी हुई हैं। विश्व स्तर पर भारत में महिलाओं की स्थिति मिश्रित है, जहाँ वे नेतृत्व और सफलता की नई ऊंचाइयों को छू रही हैं, वहीं लैंगिक असमानता, सुरक्षा और श्रम भागीदारी में उन्हें गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षा और साक्षरता में प्रगति के बावजूद, पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण और आर्थिक असमानता प्रमुख बाधाएं बनी हुई हैं। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 में भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है। जो महिलाओं की स्थिति में चिंताजनक गिरावट दर्शाता है। देश में महिलाएं अभी तक लिंगभेद का शिकार हैं। महिलाओं के साथ होने वाले शोषण और अपराधों के ग्राफ बताते हैं कि उनकी तरक्की ऊंट के मुंह में जीरे से ज्यादा नहीं है। साल 2023 की राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में 2023 में महिलाओं के खिलाफ 13,366 मामले दर्ज हुए, जो मुंबई में 6,025 और बेंगलुरु में 4,870 से कहीं ज्यादा हैं। हालांकि साल 2022 के मुकाबले महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 5.7 प्रतिशत की गिरावट आई है। देश में 2021 से 2023 के बीच महिलाओं के खिलाफ कुल 13,21,745 अपराध दर्ज हुए। औसतन हर तीन मिनट में एक महिला किसी न किसी अपराध का शिकार हुई। गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने राज्यसभा में पेश आंकड़ों के बताया कि ने घरेलू हिंसा, अपहरण, यौन अपराध और बाल शोषण जैसी घटनाओं में लगातार तीन वर्षों में बढ़ोतरी देखी गई।

उत्तर प्रदेश इन तीन वर्षों में सबसे आगे रहा, जहां 1,88,207 मामले दर्ज हुए। इसके बाद महाराष्ट्र में 1,31,958, राजस्थान 1,31,246, बंगाल 1,05,313 और मध्य प्रदेश में 95,780 मामलों ने स्थिति की गंभीरता को उजागर किया है। महिलाओं के खिलाफ प्रमुख अपराधों में शामिल रहे पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के 4,09,929 मामले तो वहीं अपहरण के 2,49,284 मामले सामने आए। गृह राज्य मंत्री बंदी ने बताया था कि अपराधों के ये रुझान सामाजिक और कानून-व्यवस्था की चुनौतियों को उजागर करते हैं। विभिन्न राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार और बच्चों से जुड़े अपराधों की संख्या चिंताजनक स्तर तक पहुंच गई है।

आर्थिक भागीदारी में भारत में श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों (82त्न) की तुलना में केवल 18त्न है, जो काफी कम है। कामकाजी महिलाओं में से केवल 40-42त्न ही अपने पति के बराबर या उससे अधिक कमाती हैं। साक्षरता दर में 2010-2021 के बीच 14.4त्न की वृद्धि हुई है। हालाँकि, केवल 10त्न महिलाएं अपने स्वास्थ्य संबंधी निर्णय खुद ले पाती हैं। संसद में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। 2024 में 800 महिला उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। फिर भी, वैश्विक स्तर पर यह भागीदारी अभी भी कम है।

लोकनीति-सीएसडीएस के 2019 के 'महिलाएं और राजनीति' सर्वेक्षण के मुताबिक अधिकतर महिलाओं को रैलियों में जाने, उम्मीदवार से मिलने या चुनाव प्रचार करने के लिए परिवार की मंजूरी लेनी पड़ती है। 58 प्रतिशत महिलाओं का मानना था कि राजनीतिक परिवार से आने वाली महिलाओं के लिए राजनीति में प्रवेश आसान होता है। जबकि 57 प्रतिशत का मानना था कि आर्थिक रूप से मज़बूत परिवारों की महिलाओं को बढ़त मिलती है। अपने सर्वोच्च स्तर पर भी पहुंचकर भी महिलाओं का लोकसभा में हिस्सा लगभग 14 प्रतिशत ही रहा, जबकि मतदाताओं में उनकी हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशत है। 1952 में पहली लोकसभा में सिर्फ़ 22 महिलाएं चुनी गई थीं। 1977 में तो यह संख्या घटकर 19 ही रह गई। एक बड़ा बदलाव 21वीं सदी में दिखा। साल 2009 में 59 महिलाएं सांसद बनीं, 2014 में यह संख्या बढ़कर 62 हो गई, और 2019 में यह ऐतिहासिक रूप से बढ़कर 78 तक पहुंच गई। 2024 में यह थोड़ा घटकर 74 रह गई।

राजनीतिक दल अक्सर कम टिकट देने को यह कहकर सही ठहराते हैं कि महिलाओं के जीतने की 'संभावनाएं' कमज़ोर होती हैं। लेकिन सफलता का आंकड़ा इस दावे को सवालों के घेरे में डाल देता है। 1957 में 49 प्रतिशत महिला उम्मीदवार जीतीं, जबकि पुरुषों में जीत का प्रतिशत सिर्फ़ 33 प्रतिशत था। 1962 में महिलाओं की सफलता दर 47 प्रतिशत थी जबकि पुरुषों की सिर्फ़ 25 प्रतिशत। हाल के चुनावों में भी महिलाओं की सफलता दर बराबर या थोड़ा बेहतर ही रही। वर्ष 2019 में 11 प्रतिशत जीतीं, जबकि पुरुषों में यह दर 6 प्रतिशत थी। 2024 में महिलाओं की सफलता दर 9 प्रतिशत और पुरुषों की 6 प्रतिशत रही।

इन आंकड़ों से साफ़ है कि जब महिलाओं को टिकट मिलता है तो वे चुनाव जीत सकती हैं। चाहे महिलाएं अब वोटिंग में लगभग बराबरी पर हों, लेकिन असली राजनीतिक शक्ति और प्रतिनिधित्व अब भी सीमित है। महिला आरक्षण बिल का पारित होना इस अंतर को कम करने का एक संरचनात्मक रास्ता ज़रूर खोलता है। आज भी 23त्न युवा महिलाओं की शादी 18 वर्ष से पहले हो जाती है, जो ग्रामीण और गरीब घरों में अधिक आम है। एक सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, पंचायत प्रतिनिधियों में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 46त्न है, हालांकि, उनकी प्रभावी भागीदारी कम बनी हुई है, खासकर उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा और राजस्थान जैसे उत्तरी राज्यों में, जहां अक्सर पुरुष रिश्तेदार निर्णय लेने में हावी रहते हैं। इस प्रथा को उजागर करने और इसकी निंदा करने के लिए 'प्रधान पति' शब्द राजनीतिक शब्दावली में शामिल हो गया है।

यह दर्शाता है कि किस प्रकार गहरी जड़ें जमा चुके लैंगिक मानदंड प्रगतिशील कानूनों को कमजोर कर सकते हैं ङ्क परिवार और समुदाय सत्ता में महिलाओं को देखकर असहज महसूस कर सकते हैं, इसलिए वे पुरुषों को पर्दे के पीछे रखकर पुराने मानदंडों को लागू करते हैं। महिलाएं अब सेना, अंतरिक्ष, खेल और व्यावसायिक नेतृत्व में नए मानदंड स्थापित कर रही हैं। स्व-सहायता समूह, डिजिटल साक्षरता और शिक्षा में सुधार के लिए सरकारी प्रयासों से बदलाव आ रहा है। इस गति को बढ़ाने की जरूरत है।

अनानास में छिपा सेहत का राज

इम्यूनिटी बढ़ाएं
गर्मियों में अनानास खाने से शरीर की इम्यूनिटी बढ़ती है और शरीर हेल्दी रहता है। अनानास में मौजूद विटामिन सी इम्यूनिटी को बढ़ाकर मौसमी बीमारियां का खतरा भी कम करता है। अनानास खाने से शरीर लंबे समय तक स्वस्थ रहता है। अनानास खाने से शरीर को कई फायदे मिलते हैं। लेकिन ध्यान रखें अगर आपको कोई बीमारी या एलर्जी की समस्या है, तो डॉक्टर से पूछ कर ही इसका सेवन करें।

हड्डियों को करें मजबूत
गर्मियों में अनानास खाने से हड्डियां मजबूत होने के साथ शरीर भी हेल्दी रहता है। इसमें मौजूद कैल्शियम मांसपेशियों के दर्द को दूर करता है और शरीर को हेल्दी रखता है। इसमें मौजूद मैंगनीज और कैल्शियम हड्डियों में होने वाली कई बीमारियों को दूर करता हैं।

हार्ट को रखें हेल्दी
गर्मियों में अनानास खाने से शरीर हेल्दी रहने के साथ दिल भी स्वस्थ रहता है। इसमें मौजूद फाइबर कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को घटाकर हार्ट को हेल्दी रखने में मदद करता है। इसके सेवन से हार्ट संबंधी बीमारियां होने का खतरा कम होता है और मोटापे से भी राहत मिलती है।

वजन कम करने में मददगार
अगर आप लंबे समय से वजन कम करने के बारे में सोच रहे है, तो गर्मियों में सीमित मात्रा में अनानास खाएं। अनानास खाने से वजन कम होने के साथ बैली फेट भी तेजी से घटेगा। ये शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है। जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

जी-मिचलाने में फायदेमंद
गर्मियों में अक्सर जी मिचलाने की समस्या हो जाती है। ऐसे में अनानास का सेवन करने से इसमें राहत मिल सकती है। इसमें मौजूद गुण मोशन सिकनेस को भी दूर करते है और शरीर को हेल्दी रखते हैं। ये खट्टा मीठा फल जी मिचलाने में फायदेमंद होता है।

गर्मियों में जरूर खाएं अनानास

गर्मियों में अनानास खाना शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें प्रचुर मात्रा में सोडियम, पोटेशियम, आयरन, प्रोटीन और विटामिन सी आदि पाए जाते हैं। इसको खाने से इम्यूनिटी मजबूत होने के साथ पाचन तंत्र भी हेल्दी रहता है। गर्मियों में अनानास खाने से शरीर हाइड्रेट रहता है और गर्मियों में होने वाली परेशानियां भी आसानी से दूर होती हैं। गर्मियों में अनानास काफी मात्रा में मिलता है। ये स्वादिष्ट होने के साथ मौसमी बीमारियों से भी शरीर की रक्षा करता हैं। आइए जानते हैं गर्मियों में अनानास खाने के अन्य फायदों के बारे में।

लू के थपेड़ों से आपको बचाएंगे ये आयुर्वेदिक नुस्खे

गर्मी के मौसम में चलने वाली लू अब अपना असर दिखाने लगी है। इस गर्म हवा का नुकसान शरीर को बाहरी और अंदरूनी दोनों तरह से होता है। लू से कई तरह की बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। लू की वजह से शरीर में ड्राईनेस आने लगती है और स्किन पर लाल चकत्ते भी पड़ने लगते हैं। डिहाइड्रेशन, एसिडिटी, जी मिचलाना, अपच जैसी समस्याएं भी परेशान करती हैं। ऐसे में कुछ उपाय अपनाकर लू से खुद को सेफ रख सकते हैं।

बेल का शरबत: गर्मी के मौसम में बेल का शरबत सेहत का खजाना होता है। बेल में विटामिन सी और फाइबर पर्याप्त मात्रा में मिलता है। इसी वजह से बेल का शरबत शरीर के तापमान को मेंटेन रखने का काम करता है और लू और इससे होने वाली बीमारियों से भी बचाता है। बेल का शरबत पीने से पाचन भी दुरुस्त रहता है। गर्मी में आप दिन में दो बार बेल का जूस खाना खाने से पहले इस्तेमाल कर सकते हैं।

आंवला: आंवला में आयुवैदिक गुण पाया जाता है। वात और पित्त दोष को यह संतुलित रखता है। इससे शरीर को ठंडक मिलती है। आंवला का सेवन करना काफी फायदेमंद होता है। इससे कफ की समस्या दूर होती है। अगर आपको लू के बीच कहीं जाना पड़ रहा है तो आंवला आपको इससे बचाता है। गर्मी के मौसम में आप आंवले का जूस, कच्चा, अचार, आंवला पाउडर या मुरब्बा के तौर पर सेवन कर सकते हैं।

गुलकंद: गर्मी के दिनों में थकान, सुस्ती, शरीर मे जलन और खुजली की समस्या आम हो जाती है। एसिडिटी, पेट फूलना, पेटल में जलन जैसी समस्याएं भी हो जाती हैं। ऐसे में गुलकंद आपको इन सभी समस्याओं से राहत दिला सकता है। आंत और पेट के लिए गुलकंद रामबाण है।

सेब का सिरका: लू को बेअसर करने में सेब का सिरका काफी कारगर होता है। लू लगने से शरीर में जिन मिनरल्स की कमी होती है, उसे पूरा करने का काम करता है। तापमान बढ़ने से शरीर में पोटैशियम और मैग्नीशियम की जो कमी होती है, उसे पूरा करने में सेब का सिरका रामबाण है। दिन में दो बार दो चम्मच सेब का सिरका एक गिलास पानी में मिलाकर पीने से गजब के फायदे मिलते हैं।

गर्मियों में वजन कम करना अपेक्षाकृत सर्दियों के मुकाबले थोड़ा आसान होता है क्योंकि गर्मियों में पेट को हल्का रखने के लिए हम कम खाना खाते है और इस समय ऐसे फूड्स मौजूद होते है। जिनमें पानी की मात्रा ज्यादा होती है। इन फूड्स को खाने से वजन कम होता है और शरीर भी हेल्दी रहता है। इस आर्टिकल में आपको ऐसे फूड्स के बारे में बताएंगे, जो गर्मियों में फैट बर्निंग के लिए बेस्ट है। ये फूड्स खाने से वजन कम होने के साथ शरीर को भी कई फायदे मिलते हैं। ये फूड्स शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ पेट को भी हल्का रखते हैं। आइए जानते हैं गर्मियों के लिए फैट बर्निंग फूड्स के बारे में।

यूं घटाएं वजन
5 फैट बर्न करने वाले फूड्स

दही
दही शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होती है। इसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम, प्रोटीन, फाइबर और विटामिन बी12 आदि पाए जाते हैं। गर्मियों में इसको खाने से शरीर हाइड्रेट रहने के साथ वजन कम होने में मदद भी मिलती है। दही खाने से पाचन तंत्र भी मजबूत होता है।

शिमला मिर्च
शिमला मिर्च शरीर को कई परेशानियों को आसानी से दूर करती हैं। गर्मियों में शरीर के फैट को कम करने के लिए शिमला मिर्च का सेवन किया जा सकता है। शिमला मिर्च इम्यूनिटी को मजबूत करने के साथ शरीर की थकान को भी आसानी से दूर करती है। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है, जो प्रोटीन को अवशोषित करने में मदद करता है।

तरबूज
पोषक तत्वों से भरपूर तरबूज शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। गर्मियों में अधिकतर लोग इसे खाना काफी पसंद करते हैं। इसमें प्रचुर मात्रा में आयरन, फाइबर, सोडियम और पोटेशियम आदि पाया जाता हैं। इसके सेवन से पाचन तंत्र मजबूत होने के साथ इसमें मौजूद पानी शरीर को फैट को तेजी से कम करने में मदद करता है।

खीरा
गर्मियों में खीरा शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। खीरे में काफी मात्रा में पानी पाया जाता है। जिस कारण ये वजन घटाने में मदद करता है। खीरा में कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है। ऐसे में इसके सेवन से शरीर को फैट आसानी से कम होता है।

दालचीनी
दालचीनी शरीर के लिए बहुत हेल्दी होती है। इसके सेवन से कई बीमारियां दूर होती है। दालचीनी में पाए जाने वाला सिनामाल्डिहाइड नामक तत्व शरीर के फैट को तेजी से कम करता है और वजन को बढ़ाने से रोकता है। गर्मियों में इन फैट बर्निंग फूड्स का सेवन किया जा सकता हैं। लेकिन ध्यान रखें अगर आपको कोई बीमारी या एलर्जी की समस्या है, तो डॉक्टर से पूछ कर ही इनका सेवन करें।

गर्मी में घमौरी को कहे छूमंतर

गर्मियां आते ही घमौरियों की परेशानी से लोग परेशान हो जाते हैं। कई लोग घमौरियों से इतने परेशान हो जाते हैं कि बाहर आना जाना भी कम कर देते हैं। घमौरियों में कई बार खुजली के साथ जलन का अनुभव भी हो जाता है। वहीं जिस एरिया में घमौरियां होती हैं वहां स्किन काफी ड्राई हो जाती है। कई लोग घमौरियों की परेशानी को दूर करने के लिए कई तरह की पाउडर, लोशन और क्रीम्स आदि लगाना शुरू कर देते हैं। ये चीजें थोड़े समय के लिए, तो राहत देती है। लेकिन जब इनका असर खत्म होता है। दोबारा से घमौरियां परेशान करने लगती हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे आयुर्वेदिक उपाय के बारे में बताने वाले हैं जिनका उपयोग करने से घमौरियां दूर होने का साथ स्किन को भी आराम मिलेगा।

नीम का पेस्ट

नीम औषधियों गुणों से भरपूर होता हैं। इसमें एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण पाए जाते हैं। घमौरियों पर इसको लगाने के लिए नीम को कूटकर इसका पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को हाथ की सहायता से घमौरियों वाली जगह पर लगाएं। 10 से 15 मिनट बाद पेस्ट को वॉश करें। ये पेस्ट लगाने से घमौरियां आसानी से दूर होगी और जलन भी कम होगी।

चंदन का पाउडर-गुलाब जल

चंदन का पाउडर और गुलाब जल दोनों ही स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इनको लगाने से त्वचा में ठंडक का एहसास होता है और घमौरियां आसानी से दूर होती हैं। इसका इस्तेमाल करने के लिए 1 चम्मच चंदन पाउडर में 2 चम्मच गुलाब जल को मिलाकर पेस्ट तैयार करें। अब इस पेस्ट को घमौरियों वाली जगह पर 10 से 15 मिनट के लिए लगा के रखें। उसके बाद नॉर्मल पानी से वॉश करें। ऐसा नियमित करने से घमौरियां दूर होने के साथ जलन भी दूर होगी।

एलोवेरा और खीरे का पेस्ट

जी हां, एलोवेरा और खीरे के पेस्ट की मदद से भी घमौरियों को ठीक किया जा सकता हैं। इसका इस्तेमाल करने के लिए 1 चम्मच एलोवेरा लें और 1 चम्मच खीरे का पेस्ट दोनों को मिक्स करके घमौरियों पर लगाएं। उसके बाद उस एरिया को नॉर्मल पानी से वॉश करें। एलोवेरा और खीरे का रस स्किन को ठंडक देकर घमौरियों से आराम देंगे।

शहद

शहद की मदद से भी घमौरियों को ठीक किया जा सकता हैं। शहद में पाए जाने वाले एंटीबैक्टीरियल गुण घमौरियों को आसानी से ठीक करते हैं। इसका इस्तेमाल करने के लिए हाथ की सहायता से घमौरियों पर शहद को 10 मिनट के लिए लगा रहने दें। उसके बाद उस एरिया को नॉर्मल पानी से वॉश करें।

पपीता

पपीता की मदद से घमौरियों को आसानी से दूर किया जा सकता है। इसका इस्तेमाल करने के लिए पपीते के गूदे को मैश करके घमौरियों पर 10 मिनट के लिए लगा रहने दें। उसके बाद नॉर्मल पानी से वॉश करें। पपीते जलन को कम करके त्वचा को एक्सफोलिएट करता है। घमौरियों को दूर करने के लिए इन घरेलू उपायों की मदद ली जा सकती हैं।

लाल पालक से दूर होंगी स्वास्थ्य समस्याएं

हमे बचपन से ही हरी पत्तेदार सब्जियों को खाने की सलाह दी जाती रही है। इसमें सबसे ऊपर पालक का नाम है। ये सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। लेकिन क्या आप लाल पालक के बारे में जानते हैं? जी हां दरअसल आप हरे पालक के अलावा लाल पालक भी खा सकते हैं। ये सेहत के लिए फायदेमंद होता है। ये पोषक तत्वों का एक बेहतरीन स्त्रोत है। ये स्वास्थ्य संबंधित कई समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। इस बार हरे पालक की बजाए लाल पालक भी ट्राई कर सकते हैं। इसमें विटामिन सी, ई, मिनरल और एंटीऑक्सीडेंट गुण भरपूर मात्रा में होते हैं। ये स्वास्थ्य को कौन से फायदे पहुंचाने का काम करता है आइए यहां जानें।

वजन घटाने के लिए
लाल पालक में प्रोटीन भरपूर मात्रा में होता है। इसमें फाइबर अधिक मात्रा में होता है। इससे आपको देर तक भरा हुआ महसूस होता है। ये आपको अनहेल्दी खाने से बचाने का काम करता है। इस प्रकार ये आपके वजन को भी कंट्रोल करने में मदद करता है।

एनीमिया के इलाज के लिए
लाल पालक में आयरन भरपूर मात्रा में होता है। आप रोजाना इसे खा सकते हैं। ये खून को साफ करता है। ये हीमोग्लोबिन के स्तर में सुधार करता है। ये ब्लड फ्लो में सुधार करता है। इसे खाने से शरीर में खून की कमी नहीं होती है। ये आपको एनीमिया की समस्या से बचाने में मदद करता है।

पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता
लाल पालक में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है। ये कोलन के स्वास्थ्य में सुधार करता है। ये पाचन प्रक्रिया में भी सुधार करता है। ये कोलन कैंसर, कोलेस्ट्रॉल और डायबिटीज की समस्या से बचाने में मदद करता है। इसके अलावा लाल पालक कब्ज की समस्या से भी राहत दिलाता है। ये पाचन तंत्र को मजूबत बनाता है। इसलिए पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने के लिए आप लाल पालक को भी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

किडनी के लिए
ये किडनी के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसमें फाइबर होता है। इससे किडनी स्वस्थ रहती है। इससे आपको अपने सिस्टम को बेहतर तरीके से डिटॉक्स करने में मदद मिलती है।

बेसन और चुकंदर से चमकाएं फेस

मीठे-स्वादिष्ट चुकंदर सिर्फ हमारे पाचन तंत्र और हृदय स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि स्किन हेल्थ के लिए भी बहुत लाभकारी है। वहीं बेसन की बात करें तो इसका प्रयोग सदियों से त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए किया जा रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं, अगर आप दोनों का साथ में त्वचा पर प्रयोग करें, तो यह त्वचा की लगभग सभी समस्याओं से छुटकारा दिला सकता है? क्योंकि यह कॉम्बिनेशन एंटीऑक्सिडेंट्स और मॉइश्चराजिंग गुणों से भरपूर होता है, साथ ही एंटीफंगल और एंटीइन्फ्लमेटरी गुणों से भरपूर होते हैं। जिससे यह त्वची की खुजली, सूजन संबंधी से जुड़ी स्थितियों क उपचार में बुहत लाभकारी है। लेकिन लोग अक्सर इस बात को लकर काफी असमंज में रहते हैं कि बेसन और चुकंदर का त्वचा पर एक साथ प्रयोग कैसे करें? बेसन और चुकंदर को चेहरे पर प्रयोग करने का सबसे आसान तरीका है, इनका फेस बनाकर चेहरे पर लगाना। यह फेस पैक त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद है, साथ ही इसे बनाना भी बहुत आसान है। इस लेख में हम आपके बेसन और चुकंदर फेस पैक लगाने के फायदे, साथ ही बनाने का आसान तरीका बता रहे हैं।

बेसन-चुकंदर फेस पैक लगाने के फायदे
त्वचा में नैचुरल गुलाबी निखार आएगा। दाग-धब्बे, पिगमेंटेशन और कालापन दूर होता है। कील-मुंहासे दूर होंगें, साथ ही सूजन से जुड़ी अन्य स्थितयां भी दूर होंगी। खुजली, चकत्ते और अन्य एलर्जी की प्रतिक्रियाएं दूर होंगी। चेहरे में कसाव लाने में मदद मिलेगी और झुर्रियां कम होंगी। कोमल और खिली-खिली त्वचा मिलेगी। उसके लिए आपको एक चुकंर लेना है और इसे कद्दूकस कर लेना है। अब एक कटोरी में इसका रस निचोड़ लें। अब आपको चकुंदर के रस में बेसन डालना है। दोनों को अच्छी तरह मिक्स करें। उसके बाद इस मिश्रण में 1 चम्मच दही और 1 चम्मच नींबू का रस भी मिलाएं। सभी सामग्रियों को मिक्स करके एक स्मूद पेस्ट बना लें। आपका फेस पैक तैयार है। बेसन की मात्रा कम ज्यादा भी कर सकते हैं, लेकिन आपको पेस्ट न बुहत गाढ़ा रखना है और न ज्यादा पतला।

संक्षिप्त समाचार

नियमों का पूरी तरह पालन करता है .... नारायणा

छात्रों की परीक्षा लेने के पहले स्कूल का हो गया मीडिया ट्रायल

बिलासपुर (समय दर्शन)। नेहरू नगर स्थित नारायणा स्कूल को छात्रों की परीक्षा लेने के पहले परीक्षा देने की नौबत आ गई और वे इसमें पास भी हो गये। असल में स्कूल का संचालन तीन तरह से किया जा सकता है। पहला राष्ट्रीय स्तर पर समिति गठित करके, राज्य स्तर पर समिति गठित करके, ट्रस्ट के गठन द्वारा यदि समिति का पंजीयन केंद्र के नियमों के तहत होता है तो उसे प्रदेश स्तर पर रजिस्टर फॅर्म सोसायटी के पास पृथक से पंजीयन की आवश्यकता नहीं होती। किसी भी शैक्षणिक संस्थान को यह स्वतंत्रता है कि वह शिक्षा के किस पद्धति और बोर्ड के अंदर स्वयं को पंजीकृत करता है। जिस बोर्ड से जो मान्यता प्राप्त करेगा उसी के नियमों को मानेगा। कभी-कभी आपात परिस्थितियों स्थिति में बोर्ड बदलना भी होता है और 2025 26 के शैक्षणिक सत्र में ऐसा हो गया है। नारायणा के गेट पर ही राज्य से 3 वर्ष की मान्यता के संबंध में बोर्ड लगा हुआ है। सीबीएसई मान्यता जिन कक्षाओं के लिए है उसका भी उल्लेख है और यू डाइस भी लिखा हुआ है। फिलहाल स्कूल जो उच्च स्तरीय सुविधाएं प्रदान कर रहा है वैसी सुविधा शहर के बीचो-बीच दे पाना कठिन है।

बस्तर जिले में अवैध रेत उत्खनन पर बड़ी कार्यवाही, भस्कली नदी पर पोकलेन मशीन सील, हाईवा जप्त

जगदलपुर। कलेक्टर आकाश छिकारा के सख्त निर्देशों के परिपालन में जिले के खनिज अमले ने अवैध उत्खनन के विरुद्ध अपनी मुस्तैदी बढ़ा दी है। इसी कड़ी में गुरुवार 26 मार्च को तहसील बकावंड के ग्राम बेलगांव और बनियागांव क्षेत्र में खनिज विभाग द्वारा एक बड़ी दण्डात्मक कार्यवाही को अंजाम दिया गया। खनि अधिकारी शिखर चेरपा के मार्गदर्शन में जिला खनिज जाँच दल ने छत्तीसगढ़ और ओड़िशा राज्य की अंतर्राज्यीय सीमा पर स्थित भस्कली नदी पर दबिश दी, जहाँ बड़े पैमाने पर रेत का अवैध उत्खनन होना पाया गया। कार्यवाही के दौरान मौके पर अवैध कार्य में संलिप्त एक पोकलेन मशीन को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया, वहीं रेत परिवहन में लगे एक हाईवा को जप्त कर नगरनार थाना की अभिरक्षा में सौंपा गया है। इस पूरी कार्यवाही में सहायक खनि अधिकारी जागृत गायकवाड़, खनि सिपाही डिकेश्वर खरे सहित टीम के सदस्य महादेव सेठिया, सीताराम और कृष्णा सक्रिय रूप से मौजूद रहे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि पकड़े गए प्रकरण में नियमानुसार कड़ी दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जावेगी। कलेक्टर श्री छिकारा के निर्देशानुसार जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन और परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण पाने के लिए खनिज अमले द्वारा भविष्य में भी इसी तरह निरंतर जाँच अभियान चलाया जाएगा ताकि अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह लगाम लगाई जा सके।

रेत खदान में किसान की मौत

जगदलपुर। बस्तर में रोजी-रोटी की जद्दोजहद ने एक और जान ले ली, जहां सिटी कोतवाली क्षेत्र के बनियागांव में रेत निकालते वक्त किसान की दर्दनाक मौत हो गई। मंगलवार को बल्लारी नाला में हाथ से रेत निकालने के दौरान अचानक धंसान हुआ और किसान गहरे गड्ढे में समा गया। देखते ही देखते मौके पर चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों ने तत्काल मदद की गुहार लगाई प्रशासन और ग्रामीणों की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन रेत की गहराई ने राहत कार्य को बेहद मुश्किल बना दिया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद जेसीबी की मदद से शव बाहर निकाला गया। मृतक की पहचान सुखराम पोयाम 37 निवासी मांझीपारा बनियागांव के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि वह गौठान के पीछे नाले से रेत निकाल रहा था तभी हादसा हुआ। घटना ने असुरक्षित खनन की सच्चाई उजागर कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। अब सवाल यही है कि आखिर कब तक पेट की आग बुझाने के लिए लोग जान जोखिम में डालते रहेंगे।

किरन्दुल युवा कांग्रेस ने मनाई स्व. दीपक कर्मा जी की जयंती

गायत्री आश्रम चोलनार में बच्चो के साथ पूजा पाठ एवं केक काट कर किया उनको याद

युवा कांग्रेस ने स्व.दीपक कर्मा की याद में बच्चो को करवाया भोजन

दन्तेवाड़ा नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव स्व.दीपक कर्मा की याद में किरंदुल युवा कांग्रेस ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए अपना पूरा दिन चोलनार स्थित गायत्री परिसर के बच्चो के साथ मनाया । वहाँ युवा कांग्रेस के साथियों ने बच्चो के मिलकर सबसे पहले तो रामवामी के अवसर पर हवन पूजन किया एवं उसके बाद परिसर में अध्यनरत दीपक नाम के बालक के हांथो से केक कटवा करवा उन्हें याद किया । स्व. दीपक कर्मा की याद में युवा साथी एवं बच्चो ने मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित की एवं साथ ही युवा साथियों द्वारा आश्रम के बच्चो के लिए भोजन व्यवस्था कर उनके साथ समय बिताया ।

जिला कांग्रेस कमिटी प्रवक्ता राहुल महाजन ने स्व.दीपक कर्मा जी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वें अनेको युवाओ के प्रेरणास्त्रोत थे । जन मानस की सेवा में सदैव तत्पर रहने वाले कर्मा जी का यूं असमय चले जाना हम सबके लिए बड़ी क्षति थी । कांग्रेस कमिटी में आमंत्रित सदस्य सुजीत कर्मा ने भी कहा कि स्व. दीपक कर्मा जी स्थानीय ग्रामीणों की आवाज़ थे और सदैव जनहित के मुद्दों पर आवाज़ उठाने वाले जननायक थे । युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अशोक भास्कर ने भी श्रद्धांजलि देते हुये की स्व. दीपक कर्मा जी के आदर्शों पर चल कर हम जिसे कई युवा आज जनता की सेवा कर पा रहे है । इस मौके पर ब्लॉक युवा कांग्रेस पदाधिकारी ऋषभ रॉय, अनुराग सोरी, विजय दास, आदर्श कश्यप, भोज यादव, चेतन ठाकुर, शंकर बघेल एवं अन्य युवा साथी मौजूद थे

पूरा व्यापार है कोचिंग संस्थान

स्वयं को नियमों से ऊपर बताते हैं

बिलासपुर (समय दर्शन)। 2024 - 25 के शैक्षणिक सत्र में 24hnbc पूरी गंभीरता के साथ कोचिंग संस्थानों में सरकारी दिशा निर्देश के पालन न होने के मुद्दे को उठाया। समय-समय पर उचित मंच पर दिशा निर्देश का पालन हो के लिए पत्राचार भी किया। इस बार जब अभी कोचिंग संस्थानों में दाखिले का क्रम शुरू हुआ ही है। तो स्कूलों के नियम और मान्यता का प्रश्न खड़ा हो जाना स्पष्ट रूप से कोचिंग संस्थानों के अनियमितताओं पर ध्यान न जाए का गेम प्लान है। पूरा मामला मीडिया के मार्केटिंग से जुड़ा हुआ है। स्कूल के पास विज्ञापन का सीमित बजट है दूसरी ओर कोचिंग संस्थाएं कंपनी की तर्ज पर काम करती है और विज्ञापन का बड़ा बजट लेकर चलती है। जिसमें आउटडोर मीडिया विज्ञापन भी शामिल है। कोचिंग पढ़ने वालों के साथ फीस के कितने घोटाले होते हैं इसका उदाहरण वर्ष 2025 में लिंक रोड में तब दिखाई दिया जब एक पीड़ित माइक और स्पीकर लेकर एक कोचिंग के सामने खड़ा हो गया और अपनी बात को पीड़ित ने स्वयं सोशल मीडिया पर वायरल किया। उसे अपनी बात रखने के कारण संस्थान छोड़ना ही पड़ गया।

कोचिंग संस्थानों में पूरी तरह से एक बिजनेस मॉडल का पालन किया जाता है और यहां की समस्या जैसे फैकल्टी, न्यूनतम आयु वर्ग का पालन न होना, कोचिंग के अंदर समितियां का गठन न होना, न्यूनतम मेडिकल सुविधा प्रदान न करना और सबसे बड़ी बात स्थानीय प्रशासन जिला प्रशासन से ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की गई है कि कोचिंग संस्थानों का समय समय पर निरीक्षण हो सके ऐसा लगता है की कोचिंग संस्थानों ने राजनीति में इतनी घुसपैठ कर ली है की वे उन्हीं की गोद में बैठ गए।

पीएम आवास 2.0 में तेजी लाने, 30 अप्रैल तक सभी लंबित आवास पूर्ण करने के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा// समय दर्शन //। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में नगरीय निकायों की बैठक लेकर विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री महोबे प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत प्रस्तावों की स्थिति, स्वीकृति एवं प्रेषण की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित प्रस्तावों को शीघ्र तैयार कर तत्काल राज्य शासन प्रेषित किया जाए। कलेक्टर ने पीएम आवास योजना की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से कहा कि सभी स्वीकृत आवासों का निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि 30 अप्रैल तक लंबित आवासों को हर हाल में पूरा किया जाए।

कलेक्टर ने स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जांजगीर एवं चांपा नगरीय निकायों में व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसे जनभागीदारी के साथ अभियान के रूप में संचालित किया जाए, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता सुनिश्चित हो। उन्होंने गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखने एवं शत-प्रतिशत अपशिष्ट प्रबंधन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जब स्वच्छता सैनिक घर-घर कचरा संग्रहण के लिए आएं, तो नागरिक उन्हें सहयोग प्रदान करें तथा उन्हें धन्यवाद कर उनके कार्य के प्रति आभार व्यक्त करें। इसके साथ ही उन्होंने आकांक्षीय शौचालय, मिशन अमृत, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना सहित विभिन्न प्रगतिरत निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए उनकी गुणवत्ता एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शिता एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाए, ताकि आम नागरिकों को योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके। बैठक में सर्व मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

बस्तर मैराथन में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार की राशि नहीं मिलना प्रदेश की बदनामी : सुशील मौर्य

दो साल में भाजपा सरकार ने प्रदेश में इवेंट के नाम पर खर्च किए 60 करोड़ रुपए।

जगदलपुर। राजीव भवन में बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य ने विगत दिनों जगदलपुर बस्तर में हुए बस्तर हैरिटेज मैराथन को लेकर प्रदेश की भाजपा सरकार पर कड़ा तंज कसते हुए कहा भाजपा की सरकार ने जो बस्तर हैरिटेज मैराथन में प्रदेश सहित विदेशी प्रतिभागी खिलाड़ियों ने भाग लिया। इसमें विदेशी खिलाड़ी प्रथम विजेता बने व बस्तर की बेटी ने जीत हासिल कर बस्तर का नाम रौशन किया। वहीं इस बस्तर मैराथन में विजेता खिलाड़ियों को आज पर्यंत तक जीत की राशि तक नहीं दी गई है। इससे बड़ी शर्मनाक और क्यो हो सकती है एक खिलाड़ी जब अपने देश जाएगा तो छत्तीसगढ़ की छबि पर बेहद बुरा असर पड़ेगा। इसकी जिम्मेदार साय सरकार है। कांग्रेस पार्टी इस कृत्य का पुरजोर विरोध करती है। प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन इस के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने बताया कि भाजपा सरकार द्वारा बस्तर सहित पूरे प्रदेश में अब तक इंवेट के नाम पर कुल 60 करोड़ रुपए खर्च कर चुकी है कही ऐसा तो नहीं कि जिला प्रशासन के द्वारा करोड़ो रुपए के सिर्फ होर्डिंग और पोस्टरों में पूरा पैसा लगा दिया गया और अब खिलाड़ियों को राशि देने पैसे खत्म हो गए कुल मिलाकर यह बस्तर मैराथन नहीं भाजपा का इवेंट था कांग्रेस पार्टी की मांग है खिलाड़ी को सम्मान जीती हुई राशि दी जाए।इस सरकार ने बस्तर ओलंपिक को भी अपना इवेंट बना दिया। शहरों का विकास कार्य ठप्प पड़े हैं गांवों में मूलभूत सुविधाओं से ग्रामीण वंचित हैं। कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा है कर्मचारियों के द्वारा हड़ताल किया जा रहा है आंदोलन किया जा रहा है, किन्तु इस निष्क्रिय सरकार के कान में जूं तक नहीं रेंग रहा है कांग्रेस पार्टी विपक्ष में होने के नाते प्रदेश के मुखिया व बस्तर के स्थानीय जनप्रतिनिधि जो कद्दावर नेता बनते फिरते हैं केदार कश्यप, किरण देव व सांसद महेश कश्यप से आग्रह करती है कि आप अपने सरकार को आईना दिखाए और कहे कि सरकार इवेंट से बाज आए जनता परेशान है लोगों को काम चाहिए विकास चाहिए। इन सभी मुद्दों पर सरकार पैसा खर्च करे न कि इंवेट के नाम पर अपनी वाहवाही लूटाने में खर्च करे बस्तर के जनादेश का सम्मान कर कार्य करे।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने आगे कहा प्रदेश में कानून नाम की कोई चीज नहीं बची हुई है देश के गृह मंत्री और प्रदेश के गृह मंत्री जब जब बस्तर आते हैं आपराधिक घटनाएं होती है। अब बस्तर मैराथन में गृह मंत्री आते हैं तो कैदी फरार हो जाता है। प्रदेश में अफीम का नशा के कारोबार पूरे जोरो पर चल रहा है और इसमें भाजपा नेताओं की संलिप्तता यह प्रमाण है कि अफीम की इस खेती भाजपा सरकार का पूरा संरक्षण है आए दिन चोरी, हत्या, डकैती, आगजनी अब आम बात हो चुकी है।

प्रेसवार्ता में नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी, गौरनाथ नाग,उपनेता प्रतिपक्ष कोमल सेना,कोषाध्यक्ष रविशंकर तिवारी,महामंत्री अभिषेक नायडू,जाहिद हुसैन,नीतीश शर्मा,प्रवक्ता जावेद खान, शादाब अहमद,मुन्नूराम,पार्षद अफरोज बेगम,लोकेश चौधरी,मोहसिन खान,शहजाद हुसैन,खीरेंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

कलेक्टर-एसपी ने स्वच्छता अभियान चलाकर दिया स्वच्छता का संदेश, स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील

जांजगीर-चांपा // समय दर्शन // कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय ने जिला मुख्यालय जांजगीर के रमन नगर में आज मुख्य नहर स्वच्छता अभियान में शामिल होकर नागरिकों को जागरूक किया। इस दौरान जनप्रतिनिधिगण, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन, हसदेव के हीरो के वालिटिंयर्स, एनएसएस, एनसीसी, कृषि महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं विभिन्न स्थानों पर सफाई कार्य करते हुए स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। अभियान के माध्यम से शहरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ ही उन्हें अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखने की अपील की।

कलेक्टर-एसपी ने अभियान में भाग लेकर सड़क, नहर के किनारे साफ-सफाई की तथा लोगों से स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने कहा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। अभियान के दौरान गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखने, प्लास्टिक का उपयोग कम करने प्रति लोगों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं छात्र-छात्राओं सहित नागरिकों ने स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया।

पथरिया ब्लॉक के ग्राम पंचायत लौदा में आयोजित हुआ जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर

मांगों एवं शिकायतों से संबंधित 460 से अधिक आवेदन प्राप्त, 75 से अधिक आवेदनों का मौके पर ही हुआ निराकरण

गांव, गरीब एवं आमजनों के सशक्तिकरण के साथ शासन की योजनाओं से किया जा रहा लाभान्वित: विधायक मोहले

सुनहरे भविष्य के लिए बेहतर शिक्षा एवं बेहतर कल के लिए जल संरक्षण जरूरी कलेक्टर

मुंगेली(समय दर्शन) जिले के पथरिया विकासखंड के ग्राम पंचायत लौदा में आमजनों की समस्याओं के समाधान के लिए जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी और मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा योजनाओं से संबंधित आवेदन भी लिए गए। समाधान शिविर में मांग एवं शिकायत से संबंधित 460 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, इनमें से 75 से अधिक आवेदनों का मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया गया। शेष आवेदनों का नियमानुसार निराकरण किया जा रहा है। शिविर के माध्यम से हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई और शासन की जनहितकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। शिविर में 06 माह के बच्चों को अन्नप्राशन भी कराया गया। इस अवसर पर विधायक पुन्नूलाल मोहले ने कहा कि राज्य सरकार गांव, गरीब एवं आमजनों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से लाखों महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है। साथ ही आवास योजना और धान खरीदी जैसे प्रयासों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। विधायक मोहले ने बिजली और पानी के दुरूपयोग नहीं करने अपील भी की। उन्होंने आमजनों को शिविर में आवेदन प्रस्तुत कर शासन की विभिन्न योजनाओं का पात्रतानुसार लाभ उठाने हेतु प्रोत्साहित किया।

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने कहा कि सुनहरे भविष्य के लिए बेहतर शिक्षा एवं बेहतर कल के लिए जल संरक्षण जरूरी है। उन्होंने बताया कि गर्मी को ध्यान में रखते हुए जिले की 177 ग्राम पंचायतों में पेयजल समस्या के समाधान हेतु कार्ययोजना तैयार कर क्रियान्वयन किया जा रहा है। कलेक्टर ने जल संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि ÷पानी बनाया नहीं जा सकता, इसलिए हर बूंद को बचाना आवश्यक है।÷ उन्होंने रेन वाटर हार्वेस्टिंग अपनाने और जल के महत्व को समझने की अपील की। शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कलेक्टर ने कहा कि समाज में आगे बढ़ने और सुनहरे भविष्य के लिए शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने और अंग्रेजी शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। शिविर के दौरान कलेक्टर ने आमजनों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने पानी, बिजली और आवास से संबंधित मुद्दे उठाए, जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। साथ ही गांव में अवैध शराब बिक्री की शिकायत पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि यह वर्ष का पहला जनसमस्या निवारण शिविर है, जिसका उद्देश्य आमजनों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करना है। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रत्येक आवेदन की जांच कर शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में स्काउट-गाइड के छात्रों द्वारा गर्मी के मौसम में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्याऊ घर का शुभारंभ किया गया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, पथरिया एसडीएम श्रीमती रेखा चंद्रा, जनपद पंचायत अध्यक्ष चित्ररेखा जांगड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

शिविर में विभिन्न हितग्राहियों को सामग्री वितरण कर किया गया लाभान्वित- शिविर में विभिन्न हितग्राहियों को सामग्री वितरण कर लाभान्वित किया गया। इनमें 05 हितग्राहियों को शाकंभरी योजनांतर्गत विद्युत पम्प, समाज कल्याण विभाग द्वारा 02 हितग्राहियों को श्रवण यंत्र व बैशाखी, 06 स्व सहायता समूह की महिलाओं को चेक राशि, मछली पालन विभाग अंतर्गत 01 हितग्राही को जाल एवं आइस बाक्स तथा दिव्यांग स्कूली बच्चों को श्रवण यंत्र प्रदान कर लाभान्वित किया गया।

विजय शर्मा ने चार करोड़ की लागत से सकरी नदी में तटबंध निर्माण का भूमिपूजन

तटबंध से रुकेगा कटाव और ग्रामीणों को मिलेगी बाढ़ से सुरक्षा

कवर्धा (समय दर्शन)। संकरी नदी में कटाव को रोकने और ग्रामीणों को बाढ़ से सुरक्षा देने के उद्देश्य से 27 मार्च को ग्राम कोडार में 4.08 करोड़ रुपए की लागत से 250 मीटर लंबे तटबंध निर्माण कार्य का भूमिपूजन उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया। इस महत्वपूर्ण परियोजना से ग्राम कोडार के नदी किनारे बसे मकान सुरक्षित होंगे, कटाव की समस्या पर नियंत्रण मिलेगा और ग्रामीणों को निस्तारी की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्राम रेगाखार पंचायत के आश्रित ग्राम कोडार में आयोजित कार्यक्रम में विधिवत पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सकरी नदी के किनारे लगातार हो रहे कटाव से ग्रामीणों को लंबे समय से परेशानी हो रही थी, जिसे ध्यान में रखते हुए इस तटबंध निर्माण की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने बताया कि 250 मीटर लंबा यह तटबंध न केवल नदी के कटाव को रोकेगा, बल्कि बाढ़ के दौरान पानी के दबाव से होने वाले नुकसान को भी कम करेगा। इससे नदी किनारे बसे घर सुरक्षित रहेंगे और लोगों को बार-बार होने वाले नुकसान से राहत मिलेगी। साथ ही, नदी किनारे रहने वाले ग्रामीणों के लिए निस्तारी की सुविधाएं भी बेहतर होंगी।

श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीणों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि ग्राम में 142 आवास स्वीकृत किए गए हैं और सर्वे सूची में शामिल सभी पात्र हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराया जा चुका है। सरकार ने अपने वादे के अनुरूप गठन के साथ ही कैबिनेट की पहली बैठक में आवास योजना को स्वीकृति देकर इसे प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ गांव में ही आसानी से मिल सके, इसके लिए ग्राम पंचायत भवन में डिजिटल सुविधा केंद्र संचालित किया जा रहा है, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को विशेष सुविधा मिल रही है। साथ ही महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 25 किस्तों में 25 हजार रुपए की राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित की जा चुकी है, जिससे महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिली है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है, ताकि अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंच सके और गांवों का समग्र विकास हो सके।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नितेश अग्रवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, संतोष पटेल, विजय पटेल, वीरसिंह पटेल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

खबर-खास

रामनवमी की तैयारी ज़ोरो पर,भगवामय नगर, जगह-जगह लगाए गए भगवा झंडे,

गरियाबंद। रामनवमीं के त्योहार पर होने वाली भव्य शोभायात्रा की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। एक ओर रामभक्त शहर को सजाए हैं तो वहीं दूसरी ओर सर्व हिंदू संगठनों ने शोभायात्रा में शामिल होने वाले दलों को प्र ?शिक्षण देना शुरू कर दिया है ।रामनवमी को लेकर शहर में जोर शोर के साथ तैयारी चल रही है ।रामनवमी को लेकर राम भक्तों में उत्साह देखा जा रहा है ।रामनवमी को लेकर विभिन्न अखाड़ा कमेटियां विश्व हिंदू परिषद श्री राम जन्मोत्सव समिति राम राज युवा संगठन हिंदू रक्षा मंच के युवा जोर शोर के साथ तैयारी कर रहे हैं ।पूरे शहर को भगवा झंडों से सजाया जा रहा है ।खासकर मुख्य शहर के तिरंगा चौक नेशनल हाईवे बजार चौक के साथ मुख्य मार्गों को भगवा झंडा से पाटा गया है ।विश्व हिंदू परिषद मंदिरों में भव्य व आकर्षक झंडे लगा रही है,मंदिर को सजाने का काम चल रहा है। रामनवमी को लेकर यहाँ उत्साह युवाओं में देखते बन रहा है,हिंदू रक्षा मंच ने बतलाया इस बार रामनवमी 28 मार्च को मनाया जाएगा ।रामनवमी के त्यौहार को लेकर सर्व हिंदू रक्षा मंच के सभी युवाओं ने लगभग तैयारी पूरी कर ली है ।हिंदू रक्षा मंच के सदस्य ने बतलाया रामनवमी को लेकर युवाओं में बेहद उत्साह देखा जा रहा है प्रतिदिन रात में लगभग एक बजे तक स्वत: ही युवा शहर के कोने कोने में भगवा ध्वज और भगवा तोरण लगा रहे है साथ ही प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी विभिन्न अखाड़ा का आयोजन है,यहां लाठी खेल व शस्त्रों का अभ्यास कार्यक्रम भी चल रहा है ।रामनवमी के दिन खिलाड़ी जगह जगह खेल का प्रदर्शन करेंगे ।इसको लेकर खिलाड़ियों में उत्साह देखा जा रहा है ।रामनवमी को लेकर क्षेत्र के बाजारों में भी रौनक है ।बजार में झंडे की दुकानें सजने लगी है ।कई आकर्षक झंडे मंगाए है जिससे ऐसा लग रहा है मानों पूरा शहर भगवान राम मय हो गया है। चारो ओर माहौल पूरी तरह से भक्तिमय हो गया है ।वही रामनवमी के सुबह रामजनकी हवन पूजा,भोग प्रसादी वितरण के पश्चात शोभायात्रा निकाली जाएगी ।इस शोभायात्रा में महाआरती,धुमाल,डीजे डांसिंग लाइट,राम हनुमान झांकी,अखाड़ा के साथ आतिशबाजी और राउत नाचा मुख्य आकर्षण होगा।

अष्टमी पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, माता दंतेश्वरी के दर पर पहुंचे हजारों श्रद्धालु

जगदलपुर। चैत्र नवरात्रि की अष्टमी पर माता के मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिलीं। श्रद्धालुओं ने महागौरी की पूजा-उपासना की। मां महागौरी को शांति, पवित्रता और सौभाग्य की देवी माना जाता है। वे जीवन से नकारात्मकता मिटाकर सुख-समृद्धि लाती हैं। अष्टमी पर कन्या पूजन का विशेष महत्व है ।माता को नारियल का भोग अर्पित कर विधि विधान और परंपरा के साथ श्रद्धालुओं ने पूजन किया। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं नगर के माता दंतेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना की। जिन श्रद्धालुओं ने आस्था के दीप प्रज्वलित किए थे, उन्होंने हवन में शामिल होकर पूर्णाहुति दी। मां दंतेश्वरी मंदिर के पुजारी कृष्ण कुमार पाढ़ी और उदय पाणिग्रही ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संकल्प दिला कर हवन पूजन संपन्न कराया। हवन के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। सुबह से शाम तक मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।

भावभीनी से हुआ ज्वारा विसर्जन

गरियाबंद। शुक्रवार को चैत्र नवरात्रि के अन्तिम दिन गरियाबंद में आयोजित मां शीतला का ज्वारा विसर्जन पूरे श्रद्धा भाव से किया गया ।विसर्जन यात्रा में सभी ग्राम देवी देवताओं की विधिवत पूजा अर्चना कर क्षेत्रवासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। ज्ञात हो कि चैत्र नवरात्रि शक्ति,साधना और समर्पण का पर्व है,जो समाज में सकारात्मक ऊर्जा और आपसी भाईचारे को मजबूत करता है ।मां दुर्गा, मां शीतला से सभी नागरिकों के जीवन में सुख,शांति और समृद्धि की कामना किए ।इसी तरह ग्राम की देवी शीतला से छीन तालाब में ज्वारा विसर्जन यात्रा ढोल-नगाड़ों,मां दुर्गा के जयकारों और भक्ति गीतों के बीच छिंद तालाब तक निकाली गई ।श्रद्धालु पारंपरिक परिधानों में सजधज कर यात्रा में शामिल हुए ।मां के भक्ति गीत से वातावरण भक्ति-मय हो उठा ।इस अवसर पर समिति ने विसर्जन यात्रा के दौरान गर्मी को देखते हुए मार्ग में ज्योत जवारा उठाए महिलाओं को गर्मी से राहत देने रास्ते भर लगातार पानी भी डाला गया।

101 वर्षीय स्व. रामकृपाल गुप्ता का नेत्रदान से समाज को मिलेगी प्रेरणा

नेत्रदान से जागरूकता व रोशनी का संदेश-कलेक्टर

कवर्धा (समय दर्शन)। मानवता एवं समाजसेवा का एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 101 वर्षीय स्वर्गीय राम कृपाल गुप्ता ने नेत्रदान किया। उनके इस पुनीत कार्य की सर्वत्र सराहना की जा रही है। श्याम नगर निवासी सतीश कुमार गुप्ता (सेवानिवृत्त अनुविभागीय अधिकारी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग) के पिता स्व. राम कृपाल गुप्ता (सेवानिवृत्त अभियंता, लोक निर्माण विभाग, मध्यप्रदेश) का 25 मार्च 2026 को प्रात: 7.30 बजे निधन हो गया। वे अपने जीवन के अंतिम समय तक पूर्णत: सक्रिय रहे तथा अपने दैनिक कार्य स्वयं करते थे। स्व. गुप्ता के निधन उपरांत परिवारजनों ने समाज के प्रति जिम्मेदारी का परिचय देते हुए उनके नेत्रों का दान करने का निर्णय लिया। इस कार्य के लिए सेवानिवृत्त

इंजीनियर श्याम सुंदर जैन ने परिवार को प्रेरित किया था, उनका प्रयास सराहनीय एवं अनुकरणीय है। नेत्रदान की प्रक्रिया शासकीय जिला चिकित्सालय में पदस्थ डॉ. क्षमा चोपड़ा एवं उनकी टीम ने पूर्ण की।

कलेक्टर श्री वर्मा ने इस पुण्य कार्य के लिए स्व. राम कृपाल गुप्ता के परिवारजनों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्य समाज में नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं और दृष्टिहीन व्यक्तियों के जीवन में उजाला लाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। कलेक्टर श्री वर्मा ने आमजन से अपील की है कि वे नेत्रदान के प्रति जागरूक बनें और इस पुनीत कार्य में सहभागिता निभाकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में योगदान दें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती अनुपमा तिवारी एवं सिविल सर्जन डॉ. केशव ध्रुव ने भी परिवार के इस निर्णय की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। जिला नोडल अधिकारी एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. क्षमा चोपड़ा ने बताया कि नेत्रदान का बहुत अधिक महत्व है। एक व्यक्ति के नेत्रदान से दो दृष्टिहीन व्यक्तियों को रोशनी मिल सकती है। यह दान मृत्यु के बाद 4 से 6 घंटे के भीतर किया जाता है तथा इसमें केवल कॉर्निया (आंख का पारदर्शी भाग) लिया जाता है। पूरी प्रक्रिया सुरक्षित एवं सम्मानजनक होती है।

स्वामी आत्मानंद विद्यालय का प्रभारी सचिव ने किया निरीक्षण

शैक्षणिक गुणवत्ता, सुविधाओं और व्यवस्थाओं का किया अवलोकन

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले की प्रभारी सचिव श्रीमती आर. संगीता ने आज जिला मुख्यालय स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में चाइल्ड फ्रेंडली वातावरण,प्रयोगशाला लैब,पुस्तकालय,आईटी कक्ष स्मार्ट क्लास रूम शिक्षण-सामग्री और विद्यार्थियों की प्रगति जानकारी ली ।इस अवसर पर कलेक्टर बी.एस.उइके,पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर, वनमण्डलाधिकारी शशिगानंदन के.,जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर,जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे ।श्रीमती संगीता ने विद्यालय की व्यवस्थाओं पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय में पेयजल एवं शौचालय एवं साफ-सफाई की स्थिति को सुधारे ।इन स्थलों को नियमित रूप से साफ-सफाई कराएं नहीं तो इन्फेक्शन होने के संभावनाएं होगी। उन्होंने किचन रूम का भी अवलोकन किया तथा वहाॅ बनाएं गए सब्जियों की गुणवत्ता की जांच के लिए स्वयं सब्जी का स्वाद चखा। उन्होंने भोजन बनाने वालों को बच्चे के लिए स्वादिष्ट बनाने के निर्देश दिए ।निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिक्षकों से शिक्षा की जानकारी, नवाचार, छात्रों की उपस्थिति के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि स्वामी आत्मानंद विद्यालय उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थान है,इसका लाभ प्रत्येक विद्यार्थियों को मिलना चाहिए ।प्रभारी सचिव ने विद्यालय परिसर की स्वच्छता,सुरक्षा,पेयजल,कंप्यूटर लैब तथा खेल-सुविधाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए सभी व्यवस्थाओं को समय पर सुनिश्चित करें।

जिले की प्रभारी सचिव आर. संगीता ने ली जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक

योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले में शासन की योजनाओं और विकास कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आज जिला कार्यालय सभाकक्ष में जिले के प्रभारी सचिव श्रीमती आर.संगीता ने जिला स्तरीय अधिकारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं,प्रशासनिक व्यवस्थाओं,राजस्व प्रकरणों तथा विकास कार्यों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।बैठक में कलेक्टर बीएस उइके ने जिले में विभिन्न विभागों में चल रहे प्रमुख कार्यों एवं प्रगति की जानकारी दी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर, वनमण्डलाधिकारी शशिगानंदन के.,जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर

चंद्राकर, अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

प्रभारी सचिव ने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान कहा कि जिन जिम्मेदारों द्वारा कार्यों में रुचि नहीं ली जा रही है, उन्हें नोटिस जारी किया जाए। उन्होंने पात्र हितग्राहियों को शीघ्र लाभ दिलाने के लिए जनपद सीईओ को ग्रामवार सूची तैयार कर तहसीलदारों को भेजने के निर्देश दिए। साथ ही सब इंजीनियरों को गांवों में जाकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना की समीक्षा में उन्होंने वार्षिक लक्ष्य, सृजित मानव दिवस,मजदूरी भुगतान,स्वीकृत, अपूर्ण एवं प्रगतिरत कार्यों की स्थिति की जानकारी ली।

राष्ट्रीय आजीविका मिशन तथा लखपति दीदी योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले के 1 लाख 4 हजार 261 परिवारों को 9 हजार 571 स्व-सहायता समूहों से जोड़ा गया है, जिनके माध्यम से 119 करोड़ 81 लाख रुपये का वित्तीय सहयोग बैंक के माध्यम से उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिलाओं के कौशल का उपयोग कर उनकी आजीविका में वृद्धि करें ।महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना,महतारी वंदन योजना, कुपोषित बच्चों की जानकारी, आंगनबाड़ी भवनों, शौचालय एवं पेयजल की स्थिति की जानकारी ली गई। इस दौरान विभाग के अधिकारी द्वारा सही आंकड़े प्रस्तुत न करने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की तथा संशोधित और सहीं आंकड़े तत्काल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए ।स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में जन्म दर,मृत्यु दर,शिशु मृत्यु दर,मातृ मृत्यु दर, संस्थागत प्रसव,टीकाकरण,टीबी,एनआरसी, सिकल सेल,आयुष्मान कार्ड की प्रगति की जानकारी ली गई। उन्होंने कहा कि सभी गर्भवती महिलाओं का संस्थागत प्रसव सुनिश्चित किया जाए एवं पीवीटीजी समुदाय के सभी शेष हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड समय पर बनाने के निर्देश दिए।

सांसद रूपकुमारी चौधरी ने सदन में उठाई देवभोग के एलेक्सेंड्राइट के वैज्ञानिक सर्वे की मांग

गरियाबंद (समय दर्शन)।महासमुंद सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने छत्तीसगढ़ की खनिज संपदा को वैश्विक पटल पर पहचान दिलाने के लिए लोकसभा में एक बड़ी पहल की है ।सांसद ने गरियाबंद जिले के देवभोग क्षेत्र में दबे दुनिया के सबसे दुर्लभ और बहुमूल्य रत्नों में से एक 'एलेक्सेंड्राइट' (Ale&andrite) का मुद्दा सदन में प्रखरता से उठाया ।उन्होंने केंद्र सरकार का ध्यान इस बेशकीमती रत्न की उपेक्षा की ओर आकर्षित करते हुए इसके वैज्ञानिक सर्वेक्षण और पारदर्शी खनन की पुरजोर वकालत की। शुक्रवार को सांसद रूपकुमारी चौधरी ने सदन के माध्यम से सरकार को अवगत कराते हुए बताया कि देवभोग का एलेक्सेंड्राइट अपनी अद्भुत रंग परिवर्तन क्षमता के लिए विश्व विख्यात है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसे "Emerald by day, Ruby by night" (दिन में पन्ना, रात में माणिक) कहा जाता है। उन्होंने रेखांकित किया कि रूस, ब्राजील और श्रीलंका जैसे चुनिंदा देशों के बाद भारत का यह क्षेत्र इस रत्न का सबसे बड़ा संभावित केंद्र है, जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लाखों रुपये प्रति कैरेट तक पहुंचती है ।श्रीमती चौधरी ने सदन में इस बात पर गहरा क्षोभ व्यक्त किया कि इतने महत्वपूर्ण खनिज संकेत होने के बावजूद अब तक इस क्षेत्र में अपेक्षित गति से व्यापक वैज्ञानिक अन्वेषण प्रारंभ नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि: उचित सरकारी प्रबंधन और आधुनिक तकनीक के अभाव में इस बहुमूल्य राष्ट्रीय संपदा की अवैध निकासी और तस्करी की आशंकाएं बनी रहती हैं। इससे न केवल छत्तीसगढ़ को राजस्व की भारी हानि हो रही है, बल्कि एक बड़ा वैश्विक अवसर भी हमारे हाथ से निकल रहा है। सांसद ने इस मुद्दे को सीधे तौर पर स्थानीय रोजगार और विकास से जोड़ा ।उन्होंने तर्क दिया कि यदि केंद्र सरकार इस क्षेत्र में पारदर्शी और आधुनिक खनन व्यवस्था विकसित करती है, तो:स्थानीय उत्थान: गरियाबंद और देवभोग जैसे आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा मिलने,ग्लोबल हब: छत्तीसगढ़ का यह अंचल अंतरराष्ट्रीय 'जेम एंड ज्वेलरी' उद्योग का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा।

कलेक्टर ने जगमड़वा जलाशय एवं सुतियापाठ मध्यम जलाशय परियोजना की समीक्षा की

गोपाल वर्मा ने दिए निर्देश।

कवर्धा (समय दर्शन)। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने शुक्रवार को सहसपुर लोहारा विकासखंड अंतर्गत जगमड़वा परियोजना एवं सुतियापाठ परियोजना की प्रगति की समीक्षा के लिए संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने परियोजना से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री वर्मा ने विशेष रूप से भू-अर्जन से संबंधित प्रकरणों की जगमड़वा जलाशय परियोजना अंतर्गत कैनाल निर्माण से संबंधित ग्राम राम्हेपुर, दलसाटोला, लखनपुर धनगांव तिलाभाट, सहसपुर लोहारा बानो, जगमड़वा, बिलहरी, डुमरिया, बानो, बासीनझोरी, बाम्हनटोला, सबराटोला नवघटा, बड़ौदा खुर्द, कौवहापानी, बुधवारा, चंदैनी, बड़ौदाखुर्द, कुमार दनिया, चिलमखोदरा, गांगीबहरा, सरईपतेरा, सुतियापाठ मध्यम जलाशय परियोजना अंतर्गत लखनपुर,

खजरीकला, बाम्हनटोला, दैहानडीह, पटपर, लखनपुर, बाजगुड़ा, खैरबना, रंजीतपुर, डंगरिया, जमुनिया, रणवीरपूर तथा गगरिया- खमरिया ग्रामों के प्रकरणों में प्रकरण तैयार कर शीघ्र प्रस्तुत किए जाने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देशित किया कि लंबित मामलों का शीघ्र सर्वेक्षण कर आवश्यक कार्यवाही पूर्ण की जाए, ताकि परियोजना के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की बाधा न आए। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए समय-सीमा में कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि गुणवत्ता के साथ किसी प्रकार का समझौता किए बिना कार्यों को गति प्रदान की जाए। बैठक में भू अर्जन अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर बी.आर. देवांगन, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्रीमती शिल्पा देवांगन, तहसीलदार सहसपुर लोहारा विवेक गोहिया तथा नायब तहसीलदार नागेश कुमार तांजय सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इस बैठक में विशेष रूप से पटवारी एवं अमीन को फील्ड में जाकर प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण- कलेक्टर श्री वर्मा ने बैठक के पश्चात जगमड़वा जलाशय में चल रहे निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण भी किया। कलेक्टर ने गुणवत्तापूर्ण कार्य करने निर्देशित किया। शेष बचे हुए भू अर्जन प्रकरण शीघ्र कार्यवाही और वन पट्टो का निर्धारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जगमगाड़वा के नहरो का मुआवजा संबधी प्रभावित ग्रामों से समन्वय कर कार्य शीघ्र करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जल संसाधन से जुड़े ऐसे महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ समय पर पूर्ण करना आवश्यक है, ताकि क्षेत्र के किसानों एवं आम नागरिकों को इसका अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने निर्माण कार्य में गुणवत्ता बनाए रखने एवं नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए।

न्यायालय तहसीलदार अहिवारा के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202603104000038

विषय-नया साहूकारी लाइसेन्स **मामले की श्रेणी-राजस्व** सन 2025-2026

अहिवारा प.ह.न. 00005 [(हे0)]

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार -उबारन टंडन,

अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक उबारन टंडन पिता स्व. फूलदास टंडन, जाति सतनामी, निवासी नंदिनी नगर, तहसील अहिवारा जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा छ.ग. साहूकारी (संशोधित) लाइसेंस अधिनियम 2005 मूल अधिनियम की धारा 11 (ग) की उपधारा-1 तथा धारा 11 (ग) की उपधारा 2 के तहत नवीन साहूकारी लायसेंस प्राप्त किये जाने हेतु निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र, शपथ पत्र, चालान मूल प्रति, आधार कार्ड, पेन कार्ड सहित इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जो कि इस न्यायालय में प्रक्रियाधीन है।

अतएवं इस आवेदन के संबंध में विधिक आपत्तियाँ/दावा रखने वाला व्यक्ति/संस्था, स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 15.04.2026 को इस न्यायालय में लिखित आवेदन कर निवेदित कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 25.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील-मुहर से जारी किया गया है।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 25/03/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार
अहिवारा जिला दुर्ग (छ.ग.)

संक्षिप्त-खबर

ऊर्जा संकट और खाद समस्या से निपटने गौठानों में गोबर खरीदी शुरू करने की मांग

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के उपाध्यक्ष विशाल देशमुख ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर प्रदेश में संभावित ऊर्जा संकट और खाद की कमी से निपटने के लिए गौठानों को पुन: सक्रिय करने की मांग की है। उन्होंने अपने पत्र में कहा है कि पिछले एक माह से मध्य एशिया में जारी युद्ध के कारण भारत को तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इसके चलते देश में ऊर्जा संकट की स्थिति बन रही है और आने वाले समय में पेट्रोल, डीजल एवं रसोई गैस की किल्लत होने की आशंका है। देशमुख ने यह भी उल्लेख किया कि यूरिया खाद के निर्माण के लिए आवश्यक गैस, फास्फेट और पोटाश जैसे कच्चे पदार्थों की आपूर्ति भी मुख्यत: विदेशों से होती है, जिसमें बाधा आने की संभावना है। इससे किसानों को खाद संकट का सामना करना पड़ सकता है। इस स्थिति को देखते हुए उन्होंने राज्य सरकार से मांग की है कि छत्तीसगढ़ में गौठानों के माध्यम से गोबर खरीदी तत्काल प्रारंभ की जाए। गोबर से कंडे (उपले) बनाकर उज्ज्वला गैस उपभोक्ताओं एवं आम नागरिकों को रियायती दर पर उपलब्ध कराया जा सकता है, जिससे ईंधन की कमी को दूर किया जा सके। साथ ही, गोबर से वर्मी कम्पोस्ट खाद तैयार कर रासायनिक खाद की कमी की भरपाई करने का भी सुझाव दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गौठानों के रूप में पहले से ही आवश्यक अधोसंरचना मौजूद है, जिसका उपयोग कर यह कार्य शीघ्र शुरू किया जा सकता है। देशमुख ने सरकार से मांग की है कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के गौठानों में तत्काल गोबर खरीदी शुरू कर कंडे एवं जैविक खाद निर्माण का कार्य प्रारंभ किया जाए, ताकि प्रदेश में ऊर्जा और खाद संकट से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

पाटन में अष्टमी पर भक्ति और श्रद्धा का माहौल

पाटन। चैत नवरात्रि के पावन अष्टमी के अवसर पर पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला। इस शुभ अवसर पर जनपद पंचायत पाटन के अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों—बटँग, नारधी, अमलीडीह, खम्हरिया और कुरूदडीह सहित अन्य गांवों में आयोजित जंवारा कार्यक्रमों में शामिल होकर माता रानी के दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। कुरूदडीह गांव में उन्होंने नौ कन्याओं को भोजन कराकर आशीर्वाद प्राप्त किया, जिसे उन्होंने अपने जीवन का अत्यंत श्रद्धापूर्ण और सौभाग्यशाली क्षण बताया। इस दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। शीतला माता मंदिर प्रांगण में ज्योति जंवारा के दर्शन कर उन्होंने क्षेत्र के सभी परिवारों की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि माँ दुर्गा की कृपा से क्षेत्र निरंतर विकास और समृद्धि की दिशा में आगे बढ़े—यही उनकी कामना है। पूरे क्षेत्र में नवरात्रि के इस पावन पर्व पर भक्ति, आस्था और उल्लास का वातावरण बना रहा।

ग्राम झीट में पुलिस चौकी की मांग तेज, बढ़ते अपराधों से ग्रामीण चिंतित

पाटन। पाटन ब्लॉक के ग्राम झीट सहित आसपास के गांवों में लगातार बढ़ रहे अपराधों को लेकर ग्रामीणों में भारी चिंता व्याप्त है। इसी को देखते हुए ग्रामीणों ने क्षेत्र में पुलिस चौकी स्थापित करने की मांग तेज कर दी है।

ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने पूर्व में सुशासन तिहार के दौरान मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपा था, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। गांव में बढ़ती आपराधिक घटनाओं के कारण लोगों में भय का माहौल बना हुआ है।

बताया जा रहा है कि झीट और आसपास के क्षेत्रों में मारपीट, हमले और असामाजिक गतिविधियों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। करीब पखवाड़े भर पहले ही एक युवक पर टांगिया से जानलेवा हमला किया गया था। वहीं कुछ माह पहले एक दुकान में बैठे व्यापारी पर भी हमला हुआ था।

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि क्षेत्र में सूखा नशा (नशीले पदार्थों) का कारोबार तेजी से फैल रहा है, जिससे युवाओं पर बुरा असर पड़ रहा है। इसके अलावा करीब चार साल पहले हुए एक हत्या कांड में पांच लोगों की निर्मम हत्या ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया था।

वर्तमान में यह क्षेत्र अमलेश्वर थाना के अंतर्गत आता है, लेकिन दूरी और समय पर पुलिस की पहुंच में देरी के कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। चौक-चौराहों पर असामाजिक तत्वों की सक्रियता भी बढ़ती जा रही है।

ग्रामीणों का मानना है कि यदि ग्राम झीट में पुलिस चौकी स्थापित की जाती है, तो अपराधों पर अंकुश लगेगा और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

जूनी हटरी के राम मंदिर में श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गया रामोत्सव

राजनांदगांव (समय दर्शन)। जूनी हटरी स्थित श्रीराम मंदिर में रामोत्सव का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ किया गया। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल एवं मातृशक्ति दुर्गावाहिनी राजनांदगांव द्वारा शहर के विभिन्न प्रखंडों एवं सभी वार्डों में रामोत्सव मनाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे धर्मप्रेमी नागरिकों का भरपूर सहयोग और समर्थन मिल रहा है।

जानकारी के अनुसार यह आयोजन 19 मार्च हिंदू नववर्ष से प्रारंभ होकर 2 अप्रैल हनुमान जन्मोत्सव तक चलाया जा रहा है। यह कार्यक्रम विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल की राष्ट्रीय स्तर की बैठक में तय कार्ययोजना के

अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान रामदरबार के छायाचित्र की विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने तथा सनातन धर्म के अनुयायियों को एक सूत्र में पिरोने का संदेश दिया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रांत विधि प्रकोष्ठ प्रमुख अरुण गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए भगवान श्रीराम के जीवन आदर्शों को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

इस अवसर पर विहिप के विभाग मंत्री अनूप श्रीवास, जिला मंत्री त्रिगुण सदानी, बजरंग दल के जिला संयोजक राहुल बलदेव मिश्रा, नगर अध्यक्ष शिव वर्मा, नगर उपाध्यक्ष योगेश मुदलियार, जिला सत्संग प्रमुख चंद्रेश जैन, नगर उपाध्यक्ष अरविंद साहू, राजू वर्मा, नगर मंत्री अंकित खंडेलवाल, जिला महाविद्यालयीन प्रमुख गगन साहू, जिला कार्यकारिणी सदस्य अभिषेक शर्मा, राहुल ताम्रकार, सारंग ताम्रकार, नगर कार्यकारिणी सदस्य आशीष श्रीवास एवं कपिल चौरसिया सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त जूनी हटरी क्षेत्र के राजू मथुरिया, भावेश मिश्रा, पप्पू मथुरिया, गोपाल बाजपेई, सुशील बाजपेई, बादल कसार, सुमीत चौरसिया, रितेश बैगने सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी बंधुजन कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का समापन भजन-कीर्तन एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों के केवाइसी के लिए प्रशिक्षण

महासमुन्द (समय दर्शन)। महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देश के परिपालन में जिले के महतारी वंदन के समस्त हितग्राहियों का ई-केवायसी किया जाना है, इसी कडी में जिले के 3 लाख 26 हजार 814 हितग्राहियों का ई-केवायसी 01 अप्रैल से 30 जून 2026 तक जिले के समस्त सीएससी में किया जायेगा।

केवायसी करने हेतु जिले में कार्यरत वीएलई को विभिन्न तिथियों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उक्त विषय पर महासमुन्द विकासखण्ड अंतर्गत कार्यरत समस्त वीएलई को जनपद पंचायत के सभागार में प्रशिक्षण दिया गया है। जिसमें ई-डिस्ट्रीक्ट मैनेजर, महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं उपस्थित हुई। शासन के मंशानुरूप 27 मार्च को महासमुंद, 28 मार्च को बागबाहरा, 30 मार्च को पिथौरा, 31 मार्च को बसना एवं 01 अप्रैल को सरायपाली को प्रशिक्षण सम्पन्न होगी।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री जटवार ने

बताया कि समस्त हितग्राहियों के ई-केवायसी कराया जाना अनिवार्य किया गया है, हितग्राहियों को ई-केवायसी संबंधित आंगनबाड़ी केन्द्र के नजदीक स्थित सीएससी केन्द्र में कराया जाना होगा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं हितग्राहियों का सहयोग करेंगे। जिन हितग्राहियों का ई-केवायसी सम्पन्न होते जायेगा उन हितग्राहियों का नाम ई-केवायसी हितग्राहियों की सूची से स्वत: अपडेट होता जायेगा तथा आंगनबाड़ी कार्यकताओं के अपने आईडी में उन हितग्राहियों का नाम दिखाई देगा जिन हितग्राहियों का नाम ई-केवायसी हेतु पेंडींग होगा। ई-केवायसी का कार्य पूर्णत: निशुल्क होगा। केवायसी में किसी भी कितग्राही का कोई भी जानकारी, डाटा अथवा पहचान किसी को शेयर नहीं की जायेगी और न ही प्रदर्शित की जायेगी। इस कार्य के सुचारू संचालन हेतु बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षक नियमित रूप से निगरानी करेंगे ताकि किसी प्रकार का कोई परेशानी या कठिनाई आने पर तत्काल निराकरण, मार्गदर्शन, निर्देश देगें ताकि समय-समय में ई-केवायसी कार्य में कुशलतापूर्वक पूर्ण हो सकें।

NH-53 पर दर्दनाक हादसा: गिट्टी से भरा डंपर पलटा, चालक की दबकर मौत , लापरवाही से गयी थे जान

महासमुंद(समय दर्शन)। थाना तुमगांव क्षेत्र अंतर्गत NH-53 पर बीते दिन सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में डंपर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना पिरदा मोड़ के पास की है, जहां गिट्टी से भरा डंपर अनियंत्रित होकर पलट गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक की

पहचान बिरेन्द्र कुमार साहू (38 वर्ष), निवासी ग्राम बड़ेडाभा (छोटे डाभा), थाना बसना के रूप में हुई है। वह अपने डंपर ट्रक क्रमांक CG06HD7588 से ग्राम घोड़ारी (नदी मोड़) से गिट्टी भरकर सरायपाली की ओर जा रहा था। सुबह करीब 9 बजे पिरदा मोड़ के पास वाहन अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया।

हादसा इतना भीषण था कि चालक बिरेन्द्र कुमार साहू ट्रक के नीचे दब गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर पंचनामा कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चालक द्वारा तेज, लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने धारा 106(1) BNS एवं 184 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

सूचना मृतक के छोटे भाई गजेन्द्र कुमार साहू द्वारा थाना में दी गई। पुलिस ने मामले की सूचना स्थ्ररू महासमुंद को भी प्रेषित कर दी है।

शादी के 15 दिन बाद मायके पहुंची युवती पर प्रेमी का हमला, फिर युवक ने दी जान

बसना (समय दर्शन)। बसना थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गढ़फुलझर में प्यार, गुस्सा और जलन की खौफनाक कहानी सामने आई है।

मिली जानकारी के अनुसार एक युवक ने अपनी शादीशुदा प्रेमिका पर ब्लेड से प्राणघातक हमला कर दिया और इसके बाद खुद बिजली के खंभे पर चढ़कर आत्महत्या कर ली। घायल युवती का इलाज अस्पताल में जारी है।

मिली जानकारी के अनुसार, युवती की शादी महज 15 दिन पहले ही हुई थी। शादी के बाद वह अपने पति के साथ नवरात्रि मेला देखने मायके गढ़फुलझर आई हुई थी। इसी दौरान उसका पुराना प्रेमी भी गांव पहुंच गया, जिससे घटनाक्रम ने खतरनाक मोड़ ले लिया।

ग्रामीणों के अनुसार, युवक अपनी शादीशुदा प्रेमिका को देखकर विचलित हो गया था और उसने रात में मिलने का निवेदन किया, जिससे युवती ने अपने पूराने प्रेमी से मिलना स्वीकार कर लिया। रात्रि करीब 2-3 बजे दोनों घर से कुछ दूरी पर मिले, जहां किसी बात को लेकर दोनों के बीच तीखी कहासुनी हो गई।

विवाद के दौरान युवक ने आवेश में आकर ब्लेड से युवती के गले पर हमला कर दिया, जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

घटना के बाद युवक ने पास के बिजली खंभे पर चढ़कर फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। गांव में इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। लोगों का मानना है कि युवक ने युवती पर पुराने रिश्ते को आगे बढ़ाने का दबाव बनाया होगा या किसी मांग को लेकर विवाद हुआ होगा , जिसके चलते यह भयावह कदम उठाया गया।

बसना पुलिस के अनुसार, सुबह ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल को सुरक्षित किया गया।

वैज्ञानिक अधिकारी (स्न्नस्रु) द्वारा घटनास्थल और शव का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया। मृतक की पहचान राजेश बरिहा 25 वर्ष, निवासी कांदाडोगर, थाना झारबंद ओडिशा के रूप में हुई है। जांच में सामने आया है कि मृतक का पिछले एक वर्ष से एक महिला निवासी चमरडीह, ओडिशा के साथ प्रेम संबंध था। रात्रि में महिला के बुलावे पर वह मिलने गया था, जहां विवाद के बाद उसने ब्लेड से हमला किया और बाद में आत्महत्या कर ली। समाचार लिखे जाने तक थाना बसना में मर्ग कायम कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है, वहीं घायल युवती की हालत पर भी नजर रखी जा रही है।

रामनवमी पर शीतला मंदिर में जोत जंवारा, विसर्जन शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालु

दुर्ग (समय दर्शन)। कसारीडीह सिविललाइन स्थित मां सतरूपा शीतला मंदिर में चैत्र नवरात्र का पर्व पूरे आस्था व श्रद्धा के साथ मनाया गया। रामनवमी और चैत्र नवरात्र के अंतिम दिन शुक्रवार को मंदिर समिति द्वारा जोत जंवारा की भव्य विसर्जन शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में महिलाएं एक रंग के वेशभूषा में शामिल हुए, जो आकर्षण का केन्द्र बना रहा, वहीं महिलाएं जस गीत की धुन में झूमते हुए अपनी श्रद्धा भक्ति प्रकट करते रहे। जिससे पूरे शोभायात्रा के दौरान श्रद्धा-भक्ति का अद्भुत माहौल बना। यह शोभायात्रा मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए शीतला तालाब पहुंची। जहां जोत जंवारा का विसर्जन किया गया। ज्योत जंवारा के दर्शन के लिए श्रद्धालु बड़ी संख्या में उमड़े। शोभायात्रा के समापन उपरांत महाभंडारा का आयोजन किया गया। महाभंडारा में प्रसादी

ग्रहण कर श्रद्धालुओं ने पुण्य लाभ प्राप्त किया। ज्योत जंवारा विसर्जन शोभायात्रा के दौरान सतरुपा शीतला सेवा समिति के अध्यक्ष रोमनाथ साहू, उपाध्यक्ष शिवसागर सिन्हा, सचिव प्रदीप देशमुख, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र धर्माकर, सह-सचिव चंपा साहू, कार्यकारिणी सदस्य तामेश्वर यादव, पुष्पा श्रीवास, संरक्षक भीखम साहू, कृष्णा देशमुख, गणेश निर्मलकर, राजा सिंह राजपूत, राजेश साहू, दीनानाथ निर्मलकर, धनेश सिंह राजपूत, राजेंद्र सिंह चंदेल, नरेश कुटारे, ईश्वर अग्रवाल, भाजपा नेता विनोद चंद्राकर, पूर्व पार्षद कांता साहू, धनेन्द्र सिंह चंदेल, किशोर यादव, अभय तिवारी, संजय डहरवाल, संतोष यादव, श्रीधर भजने, निशा ठाकुर, गणेशराम चौधरी, तोरण साहू, अरुण साहू, अदिति खरिया, राखी, लेखिका अडिया, रानी उपाध्याय, आरती शुक्ला के अलावा सतरुपा शीतला सेवा समिति के अन्य सदस्य व श्रद्धालु व्यवस्था बनाने में जुटे रहे।

पिथौरा में उमड़ा आस्था का महासैलाब

पुरानी बस्ती शीतला माता मंदिर से निकली भव्य जवारा ज्योत विसर्जन यात्रा

पिथौरा(समय दर्शन)। पिथौरा में चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर महासमुंद जिले के पिथौरा नगर में मां दुर्गा के प्रति अगाध श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला।

नगर के विभिन्न मंदिरों से श्रद्धापूर्वक स्थापित 'जवारा' (जौ) और प्रज्ज्वलित 'अखंड ज्योत' के विसर्जन हेतु एक भव्य और विशाल शोभायात्रा निकाली गई। ढोल-ताशों की थाप पर थिरकते श्रद्धालुओं और मां दुर्गा के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठ। श्रद्धा और भक्ति से सराबोर यह भव्य विसर्जन यात्रा नगर भ्रमण

करती हुई पौराणिक और ऐतिहासिक पुरानी बस्ती स्थित प्रसिद्ध मां शीतला माता मंदिर पहुंची। यहां महाआरती के उपरांत पूरे विधि-विधान और सुचारू व्यवस्था के साथ जवारा और ज्योत का पवित्र विसर्जन पुरानी बस्ती तालाब में किया गया। हर वर्ष की परंपरा के अनुसार इस बार भी जवारा विसर्जन बड़े ही स्वस्थ और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। ग्राम शीतला समाज और सभी धर्मप्रेमियों के उत्कृष्ट सहयोग से पूरी व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हुई।

विसर्जन यात्रा के दौरान भक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा- मां दुर्गा के दर्शन और जवारा विसर्जन के साक्षी बनने के लिए महिलाओं, पुरुषों, युवाओं और बच्चों की भारी भीड़ जुटी रही। रंग-बिरंगी वेशभूषा में सजी महिलाएं सिर पर जवारा कलश और ज्योत धारण कर चल रही थीं। भारी संख्या में उपस्थित महिलाओं और पुरुषों की उपस्थिति ने इस उत्सव की भव्यता को कई गुना बढ़ा दिया। ऐसा लग रहा था कि मानो पूरा पिथौरा नगर मां दुर्गा की भक्ति में डूब गया हो।

पिथौरा के प्रमुख मंदिरों से निकलीं जवारा ज्योत विसर्जन यात्राएं- मां परमेश्वरी धाम मंदिर: मां परमेश्वरी धाम मंदिर से भी जवारा और ज्योत के विसर्जन के लिए एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। मां दुर्गा के जयकारों के साथ श्रद्धालु जवारा विसर्जन के लिए पुरानी बस्ती शीतला माता मंदिर की ओर रवाना हुए।

मां दुर्गा मंदिर मंदिर चौक: मां दुर्गा मंदिर मंदिर चौक से भी जवारा और ज्योत के विसर्जन के लिए एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं के उत्साह और भक्ति से पूरा मंदिर चौक गूंज उठा। मां शीतला माता मंदिर: मां शीतला माता मंदिर से भी जवारा और ज्योत के विसर्जन के लिए एक शोभायात्रा निकाली गई। मां दुर्गा के के लिए भारी संख्या में श्रद्धालु मंदिर

मां फरेश मंदिर: मां फरेश मंदिर से भी जवारा और ज्योत के विसर्जन के लिए एक शोभायात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं के उत्साह और भक्ति से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

अन्य मंदिर: पिथौरा के अन्य मंदिरों एवं घरों में स्थापना किए गए जंवारा और ज्योत के विसर्जन के लिए शोभायात्राएं निकाली गई। सभी मंदिरों से निकलीं जवारा और ज्योत पुरानी बस्ती शीतला माता मंदिर पहुंचकर तालाब में विसर्जित की गई।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर मकान नं.-107, वार्ड नं. 26, मदर टेरेसा वार्ड, जगदलपुर, जिला-बस्तर (छ.ग.)- 494001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, मो. 9827104452, दुर्ग कार्यालय- फोन नं.-0788-4051213, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CTHIN/26/A1375